दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-5 अंक-09 भोपाल, शनिवार 20 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

एक उत्कृष्ट बात जो शेर से सीखी जा सकती है, वो ये है कि व्यक्ति जो कुछ भी करना चाहता है, उसे पूरे दिल और जोरदार प्रयास के साथ करे।

चाणक्य

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्णा प्रतिपद, शनिवार, 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:37/5:35
वर्षा/बादल %	02 %
नमी %	45 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 50,650

शेयर सूचकांक

बीएसई 59636.01 -372.32

निफ्टी 17764.80 -133.85

भारी बारिश के बाद तमिलनाडु में मकान ढहा, 4 बच्चों सहित 9 की मौत

तमिलनाडु। तमिलनाडु में जारी बारिश के बीच एक बड़ा हादसा सामने आया है। वेल्लोर शहर में शुक्रवार सुबह मकान ढहने से 9 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में 4 बच्चे और 4 महिलाएं शामिल हैं। प्रशासन की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई हैं। मलबे में और भी लोग दबे हो सकते हैं, जिन्हें निकालने की कोशिश की जा रही है।

काबुल एयरपोर्ट पर मारे गए सैनिकों को मेडल से सम्मानित करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने अफगानिस्तान के हामिद करजई इंटरनेशल एयरपोर्ट पर हुए बम ब्लास्ट में मारे गए सैनिकों को कांग्रेसनल गोल्ड मेडल देने का फैसला लिया है। अगस्त में काबुल एयरपोर्ट पर हुए ब्लास्ट में 1 नेवी कॉर्प्समैन और 11 मरीन सोल्जर समेत 13 लोग मारे गए थे। मेडल को विशिष्ट उपलब्धियों के लिए दिया जाने वाला अमेरिका का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है।

हाजिर नहीं हुए तो जब्त होंगी परमबीर सिंह की 11 करोड़ की प्रॉपर्टीज

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने रंगदारी के मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अदालत के भगोड़ा घोषित करने के फैसले के 30 दिन बाद उनकी देशभर में मौजूद प्रॉपर्टीज को कुर्क करके का काम शुरू होगा। परमबीर सिंह के पास 11 करोड़ की कुल 5 प्रॉपर्टीज की जानकारी सामने आई है। फिलहाल परमबीर सिंह के खिलाफ रंगदारी के 5 मामले दर्ज हैं, जिसमें 3 गैर जमानती वारंट जारी किए जा चुके हैं।

14 महीने बाद तीनों कृषि कानून वापस : प्रकाश पर्व पर प्रधानमंत्री मोदी का कानून वापसी का ऐलान

तीन कृषि कानून रद्द होंगे, आंदोलनरत किसान घर लौटें : प्रधानमंत्री मोदी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

किसानों के हठ के आगे आखिरकार मोदी सरकार को झुकना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों विवादित कृषि कानून वापस लेने का फैसला किया है। इस ऐलान के लिए दिन चुना गया प्रकाश पर्व का। पीएम ने शुक्रवार को राष्ट्र के नाम 18 मिनट के संबोधन में यह बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार ये कानून किसानों के हित में नेक नीयत से लाई थी, लेकिन हम कुछ किसानों को समझाने में नाकाम रहे।

सबसे पहले प्रकाश पर्व और देव दीपावली की शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधन की शुरुआत में कहा, %मेरे प्यारे देशवासियों आज देव दीपावली का पावन पर्व है। आज गुरु नानक देव जी का भी पावन प्रकाश पर्व है। मैं विश्व में सभी लोगों और सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। यह भी बेहद सुखद है कि डेढ़ साल बात करतारपुर साहिब कॉरिडोर फिर से खुल गया है।

किसान कल्याण हमारी सरकार की प्राथमिकता

देश के हर 100 में से 80 किसान छोटे किसान हैं। उनके पास 2 हेक्टेयर से भी कम जमीन है। इनकी संख्या 10 करोड़ से भी ज्यादा है। हमने किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। हमारी सरकार ने फसल बीमा योजना को प्रभावी बनाया गया। 22 करोड़ किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड दिए गए हैं। छोटे किसानों को ताकत देने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है।

मोदी की 18 मिनट की स्पीच में 1430 शब्द

कृषि? कानूनों को वापस लेने के लिए दिए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 मिनट के संबोधन में 1430 शब्द थे। कानून वापसी घोषणा से पहले भूमिका बांधने में 1067 शब्द, घोषणा करने में 86 और घोषणा की वजह बताने में 277 शब्द कहे।

छोटे किसानों के हित में लाए थे तीनों कृषि कानून

शुभकामनाएं देने के बाद मोदी ने किसानों के हित में अपनी सरकार के काम और योजनाएं गिनाईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की 10 हजार एफपीओ किसान उद्पादक संगठन बनाने की प्लानिंग है। हमने एमएसपी और क्रॉप लोन बढ़ा दिया है। यानी हमारी सरकार किसानों, खासतौर पर छोटे किसानों के हित में लगातार एक के बाद एक कदम उठाती जा रही है। इसी अभियान में तीन कृषि कानून लाए गए थे, ताकि किसानों को फायदा हो।

देशवासियों से माफी मांगते हुए कानून वापसी का ऐलान

पीएम मोदी ने आगे कहा कि साथियों, मैं देशवासियों से क्षमा मांगते हुए, सच्चे मन से और पवित्र हृदय से कहना चाहता हूं कि शायद हमारी तपस्या में ही कोई कमी रह गई होगी जिसके कारण मैं कुछ किसानों को समझा नहीं पाया। मैं आंदोलनकारी किसानों से घर लौटने का आग्रह करता हूं और तीनों कानून वापस लेता हूं। इस महीने के अंत में संसद सत्र शुरू होने जा रहा है उसमें कानूनों को वापस लिया जाएगा।

यह समय किसी को दोष देने का नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने किसानों को समझने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिन प्रावधानों पर उन्हें ऐतराज था उन्हें बदलने को भी तैयार थे। साथियों आज गुरु नानक देवजी का पवित्र पर्व है। यह समय किसी को दोष देने का नहीं है। गुरु नानक देव जी ने कहा है कि संसार में सेवा का मार्ग अपनाने से ही जीवन सफल होता है। हमारी सरकार इसी सेवा भावना के साथ देशवासियों का जीवन आसान बनाने में जुटी है।

केंद्र के फैसले पर किसान लीडर्स : टिकैत बोले- MSP गारंटी कानून बनने तक आंदोलन चलेगा; योगेंद्र ने कहा- सरकार को वोट की चिंता

गुरू पर्व के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीन विवादित कृषि कानूनों को वापस लेने के बाद किसान आंदोलन में जश्न का माहौल है। सिंघु बॉर्डर, टीकरी बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों ने जश्न मनाया है। किसान नेताओं का कहना है कि वे प्रधानमंत्री के बयान को अपनी जीत के रूप में देख रहे हैं। हालांकि किसान आंदोलन समाप्त करने की घोषणा अभी नहीं की गई है। किसान आंदोलन की अगुआई कर रहे राकेश टिकैत का कहना है कि एक साल बाद में सरकार की समझ में किसान शब्द आया है, हम इसे अपनी जीत मान रहे हैं। सरकार से बातचीत का रास्ता खुला है। सरकार जब संसद

में कानून लेकर जाएगी, वहां क्या होगा, ये मायने रखता है। MSP हमारा मुद्दा है। सरकार MSP गारंटी कानून लेकर आए। जब तक सभी मुद्दों पर समाधान नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। टिकैत कहते हैं कि MSP कानून को लागू करने के लिए कमेटी का गठन होना चाहिए। सरकार के सिर्फ वादे भर से काम नहीं चलेगा, कागज पर लिखित देना

होगा। किसानों को भी अभी ज्यादा उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। वे सरकार की इस चाल में ना फंसे। जब तक हमें MSP गारंटी का कानून का कागज नहीं मिल जाता, तब तक हमें मोर्चे से नहीं हटना है। इस फैसले को लेकर किसान नेता योगेंद्र यादव कहते हैं कि गुरुपूरब के दिन किसानों की ऐतिहासिक जीत है। मैं इसे किसी मंत्री, किसी नेता या किसी आंदोलन की जीत रूप में मैं नहीं देखता, मैं इसे सिर्फ किसान की जीत के रूप में देखता हूं और किसानों ने यह साबित कर दिया है कि वह इस देश के न केवल अतीत बल्कि भविष्य का भी हिस्सा हैं। आपको नहीं लगता कि यह मोदी जी ने यह फैसला पांच राज्यों के चुनावों की वजह से लिया है? इस सवाल के जवाब में वे कहते हैं, जाहिर है, संविधान का उन पर असर नहीं पड़ता, अर्थशास्त्र की बात उन्हें समझ नहीं आती, इंसानियत उन्हें समझ नहीं आती है। उन्हें सिर्फ और सिर्फ वोट की बात समझ आती है, लेकिन चलिए लोकतंत्र के लिए यह भी सही है। यह लोकतंत्र की जीत है।

किसानों में फर्क न करें मोदी : प्रियंका

तीन कृषि कानून की वापसी को किसानो के संघर्ष की जीत बताते हुये कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि माफी मांगने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंदोलनरत किसानो और अन्य किसानो मे फर्क कर रहे है जो सरासत गलत है। प्रियंका ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से कहा कि सरकार ने कृषि कानून को लाकर गलत फैसला किया था जिसे देर से ही सही मगर वापस लेने को मजबूर होना पडा। श्री मोदी आज भी किसानो पर फर्क कर रहे है कि जो किसान आंदोलन कर रहे है, वे अलग है और बाकी अलग है। ये गलत है। देश का किसान एक है। देश में एक भी किसान ऐसा नहीं है जो प्रताड़ित नहीं है।

भोपाल। सरल स्वभाव वाले प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा गत दिवस अपने साथी डॉ. मोहन यादव जी की सुपुत्री के विवाह समारोह में सम्मिलित हुए। इस शुभ अवसर पर वर-वधू को आशीर्वाद देकर मां पीताम्बरा से उनके खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना डॉ. मिश्रा ने की।

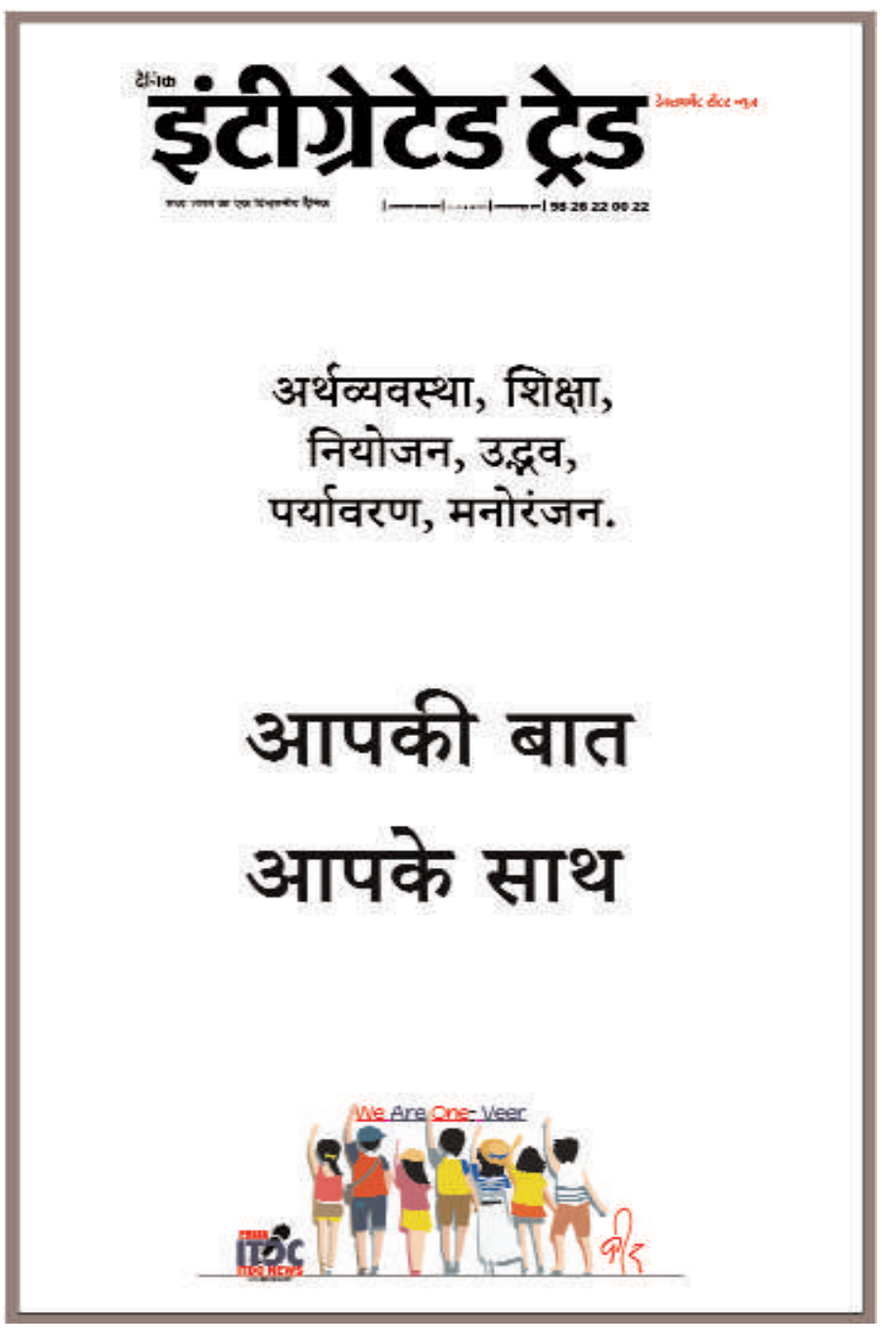

मुंबई में फिर भीषण आग : विलेपार्ले के प्राइम मॉल में लगी भीषण आग, दमकल की 20 से ज्यादा गाड़ियां पहुंचीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज मुंबई

शुक्रवार को मुंबई के विलेपार्ले के प्राइम मॉल में भीषण आग लग गई है। फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंच आग बुझाने के काम में जुटी हुई हैं। फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नही है। मौके पर 16 फायर इंजन, 11 वाटर टैंकर, 3 एम्बुलेंस और 4 अन्य गाड़ियां पहुंची हैं। फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट से मिली जानकारी के अनुसार, आग सुबह 11.45 बजे रिपोर्ट हुई है। यह लेवल 4, यानी बहुत भीषण आग है। विलेपार्ले वेस्ट की सोसाइटी रोड पर मौजूद प्राइम मॉल बेहद भीड़ वाले इलाके में

मौजूद है, इसलिए आग बुझाने में लगातार दिक्कत आ रही है। ताजा जानकारी के मुताबिक, आग 4 मंजिला इस मॉल के पहले फ्लोर पर लगी है। यहां कई ब्रांड्स के शोरूम और दुकानें हैं।

पहले भी मुंबई में लगी हैं बड़ी आग

इससे पहले गुरुवार सुबह मुंबई के पवई साकी विहार रोड पर स्थित हुंडई कार के सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई थी। इस अग्निकांड में पूरा सर्विस सेंटर जलकर खाक हो गया था। 15 नवंबर की रात मुंबई के कांजुरमार्ग इस्ट में स्थित सैमसंग के सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई थी। इसे बुझाने के लिए दमकल की 8 गाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। इससे पहले मुंबई के मानखुर्द इलाके में शुक्रवार तड़के एक स्क्रैप यार्ड में भीषण आग लग गई थी। मुंबई के कांदिवली इलाके में हंसा हेरिटेज नाम की 15 मंजिली इमारत की 14 वीं मंजिल पर भीषण आग लग गई थी।

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्वयर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 KM दुरी संपर्क, 8889911680, 7611127324, 7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)-(Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुबिधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Apparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class, pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345, 9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile :9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज, होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK 3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex, 10x11 fts, ground floor, DIG Bungalow, Berasia Road, Bhopal
Mb 7000831264, 9752705333

To let Shop:
Inside Complex, 10x14 fts, ground floor, Arera Colony, 10 No Market, Bhopal
Mb 7000831264, 9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

खबर की खबर
वायु प्रदुषण रोकने में ही हमारे जीवन की गति

वायु प्रदुषण से राष्ट्रीय बेचैनी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हालत बहुत चिंताजनक है। यही स्थिति कमोबेश सभी महानगरों में है। वायु प्राण हैं। प्राण नहीं तो जीवन नहीं। वैदिक परम्परा में वायु अमर देव हैं। वायु से आयु है। वे वैदिक ऋषियों के प्यारे देवता हैं। वे प्राण शक्ति के संचालक हैं लेकिन दिखाई नहीं पड़ते। वैदिक ऋषि वायु की प्रीति में सराबोर हैं। वायु का रूप नहीं होता। वायु की तीव्र गति आंधी है। आंधी का शोर सुनाई पड़ता है लेकिन वायु का रूप नहीं। कहते हैं, तीव्र गति अनुभव में आती, रूप नहीं। ऋग्वेद में लगता है कि ऋषि वायु का रूप देखने के अभिलाषी हैं। वे उन्हें सोम पीने का निमंत्रण देते हैं "वायवा याहि दर्शतेमे सोमा अरंकृता- दर्शनीय वायु! आओ सोम रस सजाकर रखा गया है।" प्राण ही जीवन है। प्राण से प्राणी है। वायु हरेक प्राणी व जीव का प्राण हैं लेकिन देवों का प्राण भी वायु ही है "आत्मा देवानां।" बड़ी बात है देवों को भी मनुष्य जैसा बताना। वायु देवों के भी प्राण हैं इसलिए वही विश्व के राजा हैं। इसके बावजूद हम पटाखा फोड़ते हैं। वायु को प्राणलेवा बनाते हैं।

अनुभूति में सृष्टि पांच महाभूतों (तत्वों) से बनी है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश ये पांच महाभूत हैं। इनमें 'वायु' को प्रत्यक्ष देव कहा गया है। वायु प्रत्यक्ष देव हैं और प्रत्यक्ष ब्रह्म भी। ऋग्वेद (1.90.9) में स्तुति है "नमस्ते वायो, त्वमेव प्रत्यक्ष ब्रहमासि, त्वामेव प्रत्यक्षं ब्रह्म वदिष्यामि। तन्मामवतु - वायु को नमस्कार है, आप प्रत्यक्ष ब्रह्म है, मैं तुमको ही प्रत्यक्ष ब्रह्म कहूंगा। आप हमारी रक्षा करें।" ऋग्वेद का यही मन्त्र यजुर्वेद (36.9) अथर्ववेद (19.9.6) व तैत्तिरीय उपनिषद् (1) में भी जस का तस आया है। ब्रह्म सम्पूर्णता है। आधुनिक ब्रह्माण्ड विज्ञानी भी ब्रह्म में उत्सुक हैं। भारतीय अनुभूति का ब्रह्म अनुभूत है। प्रयोग सिद्ध है और प्रत्यक्ष है। कहते हैं, "वायु ही सभी भुवनों में प्रवेश करता हुआ हरेक रूप रूप में प्रतिरूप होता है। सभी जीवों में प्राण की सत्ता है, प्राण नहीं तो जीवन नहीं। प्राण वस्तुतः वायु है। ऋषि सूर्य आदित्य को देखते हैं। वे भी प्रत्यक्ष देव हैं। प्रश्नोपनिषद में कहते हैं 'आदित्य ह वै प्राणौ - जो आदित्य है सूर्य है, वही प्राण है।

वैदिक पूर्वज वायु को देवता जानते हैं। उसे बहुवचन 'मरूद्गण' कहते हैं। वे सम्पूर्ण विश्व के प्रति मधु दृष्टि रखते है। ऋग्वेद के एक मंत्र में वे वायु को भी मधुरस से भरा पूरा पाना चाहते हैं- मधुवाता ऋतायते। वृहदारण्यक उपनिषद् के सुन्दर मंत्र में पृथ्वी और अग्नि के प्रति मधुदृष्टि बताने के बाद वायु के लिए कहते हैं "अयं वायुः सर्वेषां भूतानां मध्वस्य- यह वायु सभी भूतों का मधु (सभी भूतों के पुष्पों से प्राप्त रस) है और सभी भूत इस वायु के मधु है- वायोः सर्वाणि भूतानि मधु। सृष्टि निर्माण के सभी घटक एक-दूसरे से अन्तर्सम्बंधित हैं। वे एक-दूसरे के मधु हैं। उनके ढेर सारे नाम हैं, वे वायु हैं, प्राण हैं, वही मरूत् भी हैं। मरूत् का सीधा अर्थ है वायु।

मरूद्गण समतावादी हैं, धनी, दरिद्र सबको एक समान संरक्षण देते हैं। (वही 20) वशिष्ठ के सूक्तों में इन्हें अति प्राचीन भी बताया गया है "हे मरूतो आपने हमारे पूर्वजों पर भी बड़ी कृपा थी" (वही, 23) वशिष्ठ की ही तरह ऋग्वेद के एक और ऋषि अगस्त्य मैत्रवरूणि भी मरूद्गणों के प्रति अतिरिक्त जिज्ञासु हैं। पूछते हैं 'मरुद्गण किस शुभ तत्व से सिंचन करते हैं? कहां से आते हैं? किस बुद्धि से प्रेरित हैं? किसकी स्तुतियां स्वीकार करते हैं? (1.165.1-2) फिर मरूतों का स्वभाव बताते हैं "वे वर्षणशील मेघों के भीतर गर्जनशील हैं। (1.166.1) वे पर्वतों को भी अपनी शब्द ध्वनि से गुंजित करते हैं, तेज आंधी और पानी का ऐसा काव्य चित्रण अनूठा है। कहते हैं, "वे गतिशील मरूद्गण भूमि पर दूर-दूर तक जल बरसाते हैं। वे सबके मित्र हैं। (1.167.4) यहां मरूद्गण वर्षा के देवता हैं।

प्रकृति में एक यज्ञ चल रहा है। वायु प्राण हैं, अन्न भी प्राण हैं। अन्न का प्राण वर्षा है। वायुदेव/मरूतगण वर्षा लाते हैं। ऋग्वेद में मरूतों की ढेर सारी स्तुतियां हैं। कहते हैं "आपके आगमन पर हम हर्षित होते हैं, स्तुतियां करते हैं।" (5.53.5) लेकिन कभी-कभी वायु नहीं चलती, उमस हो जाती है। प्रार्थना है "हे मरूतो आप दूरस्थ क्षेत्रों में न रुकें, द्युलोक अंतरिक्ष लोक से यहां आयें। (5.53.8) ऋषि कहते हैं "रसा, अनितमा कुभा सिंध आदि नदियां वायु वेग को न रोकें।" (वही 10) वे "नदी के साथ पर्वतों से भी यही अपेक्षा करते हैं।" (5.55.7) वायु प्रवाह का थमना ऋषियों को अच्छा नहीं लगता। हम सबको भी वायु का प्रवाह अच्छा लगता है। वायु रुकी तो उमस बढ़ती है। कहते हैं "हे मरूतो आप रात दिन लगातार चलें, सभी क्षेत्रों में भ्रमण करें।" (5.54.4) वायु प्राण है, वायु जगत् का स्पंदन है। ऋषियों की दृष्टि में वे देवता हैं इसीलिए वायु का प्रदूषण नहीं करना चाहिए। वे जीवन हैं, जीवन दाता भी हैं। वायु से वर्षा है, वायु से वाणी है। गीत-संगीत गंध-सुगंध और मानुष गंध के संचरण का उपकरण भी वायु देव हैं। वायु नमस्कारों के योग्य हैं।

भारतीय दृष्टि में वायु प्रकृति की शक्ति है। उन्होंने वायु का अध्ययन एक पदार्थ की तरह किया है। उनका अध्ययन जरूरी है लेकिन दिव्य शक्ति की तरह उनको प्रणाम भी किया जाना चाहिए। ऋग्वेद के ऋषि मरूद्गणों का जन्म, स्वभाव वर्षा लाने का उनका काम ठीक से जाना चाहते हैं लेकिन नमस्कारों के साथ।

चरक संहिता आयुर्विज्ञान का आदरणीय महाग्रन्थ है। इसके 28वें अध्याय (श्लोक 3) में आत्रेय ने बताया है "वायुरायुर्बलं वायुर्वायु र्धाता शरीरिणाम - वायु ही आयु है। वायु ही बल है, शरीर को धारण करने वाले भी वायु ही हैं। कहते हैं

न्यूज ब्रीफ

सीमा पार दिवाला ढांचे का हिस्सा होंगे गारंटर

नई दिल्ली। सरकार कॉर्पोरेट कर्जदार के व्यक्तिगत गारंटर को सीमा पार दिवाला कानून के दायरे में लाने के लिए सक्रियता से विचार कर रही है। हाल के कुछ दिवाला मामलों में कर्जदाता प्रवर्तकों की विदेशी संपत्तियों को दायरे में नहीं ला सके थे, जिसे देखते हुए इस बदलाव पर विचार हो रहा है। दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत सीमा पार दिवाला ढांचे को अभी अधिसूचित किया जाना है। अब तक सीमा पार दिवाला पर जो चर्चा हो रही थी, वह केवल कॉर्पोरेट दिवाला समाधान के लिए था। सूत्रों के मुताबिक सरकार अब कंपनियों व कॉर्पोरेट कर्जदारों के व्यक्तिगत गारंटरों के लिए एक साथ कानून अधिसूचित करना चाहती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, %इस तरह के मामलों को दीवानी या आपराधिक कानून के तहत लाना हमेशा से थकाऊ रहा है क्योंकि सबूत देने का बोझ बहुत ज्यादा होता है। सीमा पार दिवाला आपको एक मंच मुहैया कराता है और धोखाधड़ी से बचने व संपत्तियां वापस पाने की सुविधा देता है।% कंपनी मामलों का मंत्रालय इस मसले पर आंतरिक चर्चा कर रहा है और इसके लिए एक अवधारणा नोट के साथ आर्थिक मामलों से जुड़े अन्य मंत्रालयों से भी संपर्क किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के अधिनियम (यूएनसीआईटीआरएएल) दिशानिर्देशों में कहा गया है कि दीवालिया कर्जदारों द्वारा की गई धोखाधड़ी, खासकर संपत्ति को छिपाने या उन्हें विदेशी अधिकार क्षेत्र में स्थानांतरित करने की समस्या बढ़ रही है, यह लगातार हो रहा है और इसकी व्यापकता भी बढ़ी है। इसमें कहा गया है, %आधुनिक और एक दूसरे से जुड़ी दुनिया ऐसी धोखाधड़ी करने और उसे अंजाम देने को आसान बना रही है। मॉडल कानून द्वारा स्थापित सीमा पार सहयोग व्यवस्था इस तरह की अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए बनाया गया है। यह प्रक्रिया किस तरीके से काम करेगी? दिवाला कार्रवाई का सामना कर रही कंपनी के लिए मुख्य दिलचस्पी के केंद्र को भी परिभाषित किया जाना है, जिसे सीओएमआई भी कहा जाता है। सामान्यतया सीमा पार दिवाला मामला उस देश में चल सकता है, जहां कंपनी का पंजीकरण है, या जहां से कंपनी का प्रमुख कामकाज जैसे प्रबंधन होता है। जेट एयरवेज के मामले में मामला भारतीय व डच पक्षों के बीच था, जिसमें सीमा पार दिवाला व्यवस्था नहीं थी, उसके बावजूद इसे निपटाया गया।

डिजिटलाइजेशन का एक और कदम : अगले साल तक डिजिटल करेंसी लॉन्च कर सकता है आरबीआई, पायलट प्रोजेक्ट पर काम जारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) अगले वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में आरबीआई पायलट के तौर पर डिजिटल करेंसी लॉन्च कर सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंकिंग और आर्थिक सम्मेलन में आरबीआई के एक सीनियर ऑफिसर ने इसकी जानकारी दी। भुगतान और निपटान विभाग के चीफ जनरल मैनेजर पी. वासुदेवन ने कहा कि %मुझे लगता है कि कम से कम अगले साल की पहली तिमाही तक एक पायलट प्रोजेक्ट लॉन्च किया जा सकता है। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी देश की फिएट मुद्रा (जैसे रुपए, डॉलर या यूरो) का एक डिजिटल संस्करण है।

पहले दिसंबर तक लॉन्च करने की हो रही थी बात

इससे पहले आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि दिसंबर तक सीबीडीसी के सॉफ्ट लॉन्च की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन आरबीआई ने इसको लेकर कोई आधिकारिक समयसीमा नहीं बताई है। वासुदेवन ने कहा कि, हम काम कर रहे हैं और हम सीबीडीसी से संबंधित विभिन्न मुद्दों और बारीकियों पर गौर कर रहे हैं। वासुदेवन ने कहा कि आरबीआई विभिन्न मुद्दों की जांच की जा रही है कि सीबीडीसी को किस वर्ग के लिए लॉन्च करना चाहिए।

सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी यानी सीबीडीसी क्या है?:- यह कैश का

डिजिटल करेंसी देश की फिएट मुद्रा जैसे रुपए, डॉलर या यूरो का एक डिजिटल संस्करण होता है

इलेक्ट्रॉनिक रूप है। जैसे आप कैश का लेन-देन करते हैं, वैसे ही आप डिजिटल करेंसी का लेन-देन भी कर सकेंगे। सीबीडीसी कुछ हद तक क्रिप्टोकरेंसी (बिटकॉइन या ईथर जैसी) जैसे काम करती है। इससे ट्रांजैक्शन बिना किसी मध्यस्थ या बैंक के हो जाता है। रिजर्व बैंक से डिजिटल करेंसी आपको मिलेगी और आप जिसे पेमेंट या ट्रांसफर करेंगे, उसके पास पहुंच जाएगी। न तो किसी वॉलेट में जाएगी और न ही बैंक अकाउंट में। बिल्कुल कैश की तरह काम करेगी, पर होगी डिजिटल।

यह डिजिटल रुपया, डिजिटल पेमेंट से कैसे अलग है?

बहुत अलग है। आपको लग रहा होगा कि डिजिटल ट्रांजैक्शन तो बैंक ट्रांसफर, डिजिटल वॉलेट्स या कार्ड पेमेंट्स से हो ही रहे हैं, तब डिजिटल करेंसी अलग कैसे हो गई? यह समझना बेहद जरूरी है कि ज्यादातर डिजिटल पेमेंट्स चेक की तरह काम करते हैं। आप बैंक को निर्देश देते हैं। वह आपके अकाउंट में जमा राशि से 'वास्तविक' रुपए का पेमेंट या ट्रांजैक्शन करता है। हर डिजिटल ट्रांजैक्शन में कई संस्थाएं, लोग शामिल होते हैं, जो इस प्रोसेस को पूरा करते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपने क्रेडिट कार्ड से कोई पेमेंट किया तो क्या तत्काल सामने वाले को मिल गया? नहीं। डिजिटल पेमेंट सामने वाले के अकाउंट में पहुंचने के लिए एक मिनट से 48 घंटे तक ले लेता है। यानी पेमेंट तत्काल नहीं होता, उसकी एक प्रक्रिया है। जब आप डिजिटल करेंसी या डिजिटल रुपया की बात करते हैं तो आपने भुगतान किया और सामने वाले को मिल गया। यह ही इसकी खूबी है। अभी हो रहे डिजिटल ट्रांजैक्शन किसी बैंक के खाते में जमा रुपए का ट्रांसफर है।

लोन देने वाली ऐप्स पर कसेगा शिकंजा

डिजिटल लोन कंपनियों को भारत में स्टोर करना होगा डेटा

» आरबीआई वर्किंग ग्रुप ने की कानून बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली

डिजिटल लेंडिंग (ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या मोबाइल ऐप्स के जरिए लोन देना) को लेकर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से गठित वर्किंग ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट का मकसद ऐसी कंपनियों को कानूनी शिकंजे में कसकर ग्राहकों की सुरक्षा को बढ़ाना है। WG ने सभी डेटा को भारत में स्थित सर्वर में ही स्टोर करने और डिजिटल लेंडर्स (ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए लोन देने वाली कंपनियां) के लिए बेसलाइन टेक्नोलॉजी स्टैंडर्ड बनाने की सिफारिश की है।

रिपोर्ट को आरबीआई की वेबसाइट पर गुरुवार को अपलोड किया गया। इस रिपोर्ट पर 31 दिसंबर, 2021 तक ईमेल के माध्यम से सुझाव दिए जा सकते हैं। इन सुझावों को देखने के बाद ही ड्ढत्र की रिपोर्ट पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। वर्किंग ग्रुप की स्थापना 13 जनवरी, 2021 को की गई थी। इसके चेयरमैन आरबीआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जयंत कुमार दास हैं।

रिपोर्ट पर 31 दिसंबर, 2021 तक ईमेल के जरिए सुझाव दिए जा सकते हैं

सुझावों को देखने के बाद वर्किंग ग्रुप की रिपोर्ट पर अंतिम फैसला होगा

वर्किंग ग्रुप को 13 जनवरी, 2021 को बनाया गया था

नोडल एजेंसी और एसआरओ स्थापित करने की सिफारिश

ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट में नोडल एजेंसी के जरिए डिजिटल लेंडिंग एप्लिकेशन के वेरिफिकेशन प्रोसेस को पूरा करने की सिफारिश की है। नोडल एजेंसी को स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत के बाद गठित किया जाएगा। इसके अलावा, ग्रुप ने एक सेल्फ-रेगुलेटरी आर्गनाइजेशन बनाने की सिफारिश भी की है। इसमें डिजिटल लेंडिंग इकोसिस्टम के सभी लोग शामिल होंगे।

अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए कानून लाने की सलाह

ग्रुप ने लोन से जुड़ी अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए %बैनिंग ऑफ अनरेगुलेटेड लेंडिंग एक्टिविटीज एक्ट% लाने का भी सुझाव दिया है। वर्किंग ग्रुप को अपनी रिसर्च में पता चला है कि वर्तमान में 100 लेंडिंग ऐप्स में से 600 अवैध हैं। ग्रुप ने ये भी सिफारिश की है कि लोन का डिसबर्समेंट उधारकर्ता के अकाउंट में किया जाए और सभी लोन सर्विसिंग डिजिटल लेंडर के बैंक अकाउंट में होनी चाहिए।

वर्किंग ग्रुप की अन्य सिफारिशें

- वर्किंग ग्रुप ने सभी डेटा भारत में स्थित सर्वर में स्टोर करने की सिफारिश की है।
- बेसलाइन टेक्नोलॉजी स्टैंडर्ड बनाने की सिफारिश भी वर्किंग ग्रुप ने की है। सभी डिजिटल लेंडर्स को इसका पालन करना होगा।
- ट्रांसपेरेंसी सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल लेंडर्स को लेंडिंग में इस्तेमाल किए जाने वाले एल्गोरिदम फीचर्स का डॉक्यूमेंटेशन करना होगा।
- सभी डिजिटल लेंडर्स को ऐनुअल परसेंटेज रेट सहित एक की-फैक्ट स्टेटमेंट स्टैंडराइज्ड फॉर्मेट में देना होगा।
- डिजिटल लोन्स को लेकर कॉमर्शियल कम्युनिकेशन के लिए कोड ऑफ कंडक्ट बनाया जाएगा। इसे प्रस्तावित एसआरओ तैयार करेगा।
- रिकवरी के लिए स्टैंडराइज्ड कोड ऑफ कंडक्ट भी प्रस्तावित एसआरओ तैयार करेगा। इसे तैयार करने के लिए आरबीआई की मदद ली जाएगी।

एमएसएमई को सहयोग देने के लिए सिडबी का गूगल से करार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने एमएसएमई को रियायती ब्याज दरों पर एक करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने से जुड़े सामाजिक प्रभाव ऋण कार्यक्रम शुरू करने के लिए गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (जीआईपीएल) के साथ साझेदारी की है। जिसके अंतर्गत इन्हें प्रतिस्पर्द्धी ब्याज दरों पर एक करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। सिडबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि गूगल के साथ इस साझेदारी में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को कोविड -19 महामारी से संबंधित संकट के समाधान के लिए 1.5 करोड़ डॉलर (लगभग 110 करोड़ रुपये) के कोष का प्रावधान किया गया है। इसके तहत सिडबी द्वारा 25 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच के ऋण के साथ सूक्ष्म उद्यमों (5 करोड़ रुपये तक का कारोबार) पर लक्षित एक ऋण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिवसुब्रमण्यम रमन ने कहा कि हमें इस समझौते से क्षेत्र को ऋण प्रदान करने के उनके प्रयासों के मजबूत होने की उम्मीद है और वे इसके रचनात्मक प्रभाव को देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं जिसे हम एक साथ प्राप्त कर सकते हैं। एक पूर्ण और महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार करने की नई आशा के साथ हम इस सहयोग को एमएसएमई क्षेत्र की ऋण तक पहुंच को बढ़ाने के अपने प्रयासों को बढ़ाने की दिशा में देखते हैं और इसके सर्जनशील प्रभाव को देखने के लिए अति उत्सुक हैं, जिसे हम एक साथ मिलकर प्राप्त कर सकते हैं। गूगल इंडिया के उपाध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि इस बड़े और फैले हुए क्षेत्र की विकास जरूरतों की गहरी समझ रखने वाले सिडबी के साथ हाथ मिलाकर हमें इन उद्यमों के लिए अपने सहयोग देकर खुशी हो रही है। हम भारत के छोटे व्यवसायों को डिजिटल प्रणाली द्वारा प्रदान किए गए अवसर का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए एक लंबे समय से प्रतिबद्ध हैं। कोविड-19 की शुरुआत में ही हमने कई प्रयास शुरू किए, जो इस तथ्य की गवाही देते थे कि ये छोटे व्यवसाय महामारी की वजह से प्रभावित हुए हैं। सिडबी के साथ मिलकर हम इन उद्योगों को सहयोग करेंगे।

ऑटो सेक्टर का सबसे फीका फेस्टिव सीजन

चिप की कमी से ऑटो सेक्टर बुरा तरह प्रभावित पिछले 10 साल में सबसे कम रजिस्ट्रेशन हुए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ऑटोमोबाइल सेक्टर की बिक्री के मामले में इस साल का फेस्टिव सीजन पिछले एक दशक में सबसे बुरा रहा है। ऐसा फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन कहना है। नवरात्रि से लेकर दिवाली के बाद तक के 42 दिनों के फेस्टिव पीरियड के दौरान रजिस्ट्रेशन में भारी गिरावट देखी गई है। इसकी वजह कारों की चिप की कमी से सप्लाई और टू-व्हीलर्स की घटती डिमांड को बताई गई है।

व्हीकल रजिस्ट्रेशन में 5.33 फीसदी की गिरावट

अक्टूबर के महीने के लिए, कुल व्हीकल रजिस्ट्रेशन में सालाना आधार पर 5.33 फीसदी की गिरावट और अक्टूबर 2019 के मुकाबले 26.64 फीसदी की गिरावट देखी गई है। फाडा ने यह डेटा मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे के व्हीकल डैशबोर्ड से ली है।

42 दिनों के फेस्टिवल सीजन में सालाना आधार पर 18 फीसदी की गिरावट

इस साल 42 दिनों के फेस्टिवल सीजन के दौरान, पैसेंजर व्हीकल की बिक्री 3,24,542 यूनिट्स हुई थी, जो पिछले साल के इसी पीरियड के दौरान 4,39,564 यूनिट्स की तुलना में 26 फीसदी कम है। इससे बिक्री साल-दर-साल आधार पर 18 फीसदी गिरकर 2021 में 20,90,893 यूनिट हो गई है। इंडस्ट्री में फेस्टिव सीजन 2020 में 25,56,335 यूनिट्स और 2019 में इसी पीरियड के दौरान 26,40,748 यूनिट्स थी। टू-व्हीलर्स पिछले साल 42 दिनों में 19,38,066 यूनिट्स की तुलना रजिस्ट्रेशन भी घटकर 15,79,642 यूनिट्स ही बचा है।

हिंदुस्तान जिंक मामले में केस दर्ज हो

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) के विनिवेश की जांच के लिए एक नियमित मामला दर्ज करेगी। इसका विनिवेश 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हुआ था। केंद्र सरकार ने एचजेएल में अपने नियंत्रण वाली हिस्सेदारी स्टरलाइट अपॉरच्यूनिटीज ऐंड वेंचर्स (एसओवीएल) को करीब 769 करोड़ रुपये में बेच दी थी। यह अनिल अग्रवाल की वेदांत रिसोर्सेज की एक इकाई है। कई लेनदेन के बाद एसओवीएल की एचजेडएल में हिस्सेदारी 64.92 प्रतिशत हो गई, जबकि केंद्र की हिस्सेदारी 29.53 प्रतिशत है। अग्रवाल की लंबे समय से इस हिस्सेदारी पर नजर रही है और वह एचजेएल पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं, जो 2002 के बाद से सरकारी कंपनी नहीं रह गई है। हालांकि शीर्ष अदालत ने एचजेडएल में सरकार की बची हुई 29.5 प्रतिशत हिस्सेदारी की खुले बाजार में बिक्री की अनुमति दे दी। न्यायालय ने यह देखते हुए इसकी अनुमति दी कि अब एचजेडएल सरकारी कंपनी नहीं है, इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू)की बिक्री पर प्रतिबंध लागू नहीं होता है। केंद्र सरकार ने पहले अपने हलफनामे में कहा था कि शेष 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी बाजार के नियमों के मुताबिक बेची जाएगी। न्यायालय ने कहा कि एचजेडएल के विनिवेश में हुई कथित अनियमितता की प्राथमिक जांच को एक नियमित केस के रूप में बदलने को लेकर की गई सिफारिश से अदालत संतुष्ट है और इस मामले में प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अदालत ने इस तथ्य का संज्ञान लिया कि इस मामले में नियमित केस दर्ज करने के सीबीआई के कई अधिकारियों के सुझाव देने के बावजूद प्राथमिक जांच बंद कर दी गई।

निवेश की बात : एफडी से ज्यादा ब्याज के लिए नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट सहित पोस्ट ऑफिस की इन 3 स्कीम्स में कर सकते हैं निवेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

इस समय फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरें अपने निचले स्तर पर हैं। ऐसे में बढती महंगाई में अगर आप अपने निवेश पर एफडी से ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो आप पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और मंथली इनकम स्कीम आपकी मदद कर सकती है। इन स्कीम्स पर आपको एफडी से ज्यादा ब्याज तो मिलेगा ही साथ ही आपका पैसा भी सुरक्षित रहेगा। हम आपको इन स्कीम्स के बारे में बता रहे हैं।

किसान विकास पत्र

- किसान विकास पत्र बचत स्कीम में फिलहाल 6.9 फीसदी ब्याज मिल रहा है।
- KVP में निवेश करने की कोई मैक्सिमम लिमिट नहीं है। हालांकि आपका न्यूनतम निवेश 1000 रुपए का होना चाहिए।
- इसमें निवेश करने वाले की उम्र कम से कम 18 साल होना जरूरी है। इसमें सिंगल अकाउंट के अलावा ज्वॉइंट अकाउंट की भी सुविधा है।
- योजना में नाबालिग भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन इसकी देखरेख उनके पैरेंट्स को करनी होगी।
- अगर आप अपना निवेश निकालना चाहते हैं तो आपको कम से कम 2.5 साल का इंतजार करना होगा। इसमें ढाई साल का लॉक इन पीरियड रखा गया है।
- इसमें इनकम टैक्स एक्ट 80ष्ट के तहत 1.5 लाख रुपए तक जमा पर टैक्स छूट मिलती है। इस से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए यहां क्लिक करें
- इसमें 6.9 फीसदी ब्याज मिल रहा है ऐसे में रूल ऑफ 72 के अनुसार अगर आप इस स्कीम में पैसा लगाते हैं तो पैसे को डबल होने में 10 साल 5 महीने का समय लगेगा।

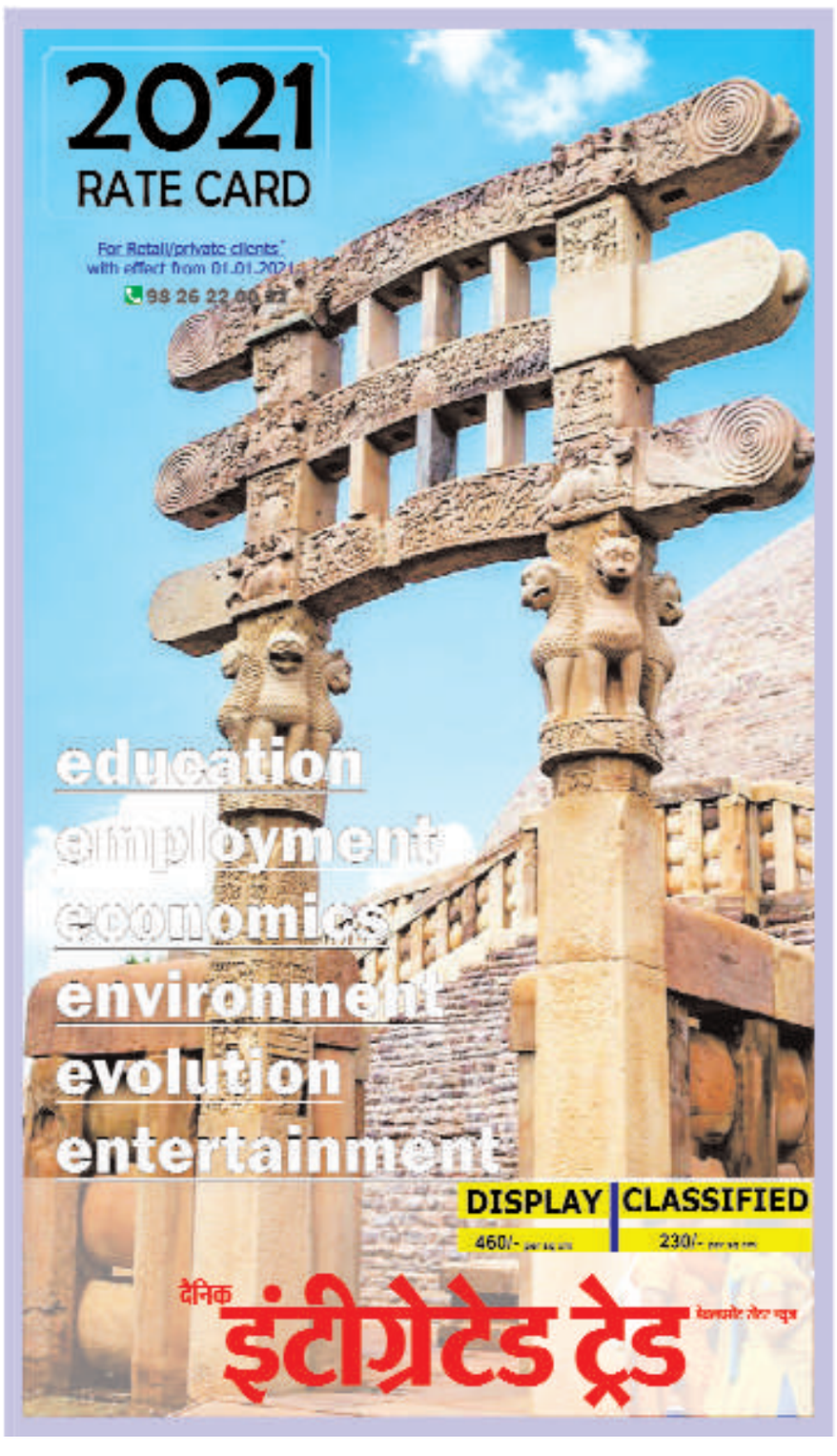

जब तथ्यों की तलाश ही 'देशद्रोह' में शुमार होने लगती है

फिलवक्त जब हम दमनकारी कानूनों के बारे में उच्च स्तरीय न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि सर्वोच्च न्यायालय कुछ करेगा, उसकी वजह भी स्पष्ट है। दरअसल हाल के समय में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाने में केन्द्र सरकार पर अंकुश लगाने के लिए संकोच नहीं किया। फिर चाहे पेगासस जासूसी स्पायवेअर मामले में केन्द्र सरकार के तमाम विरोध के बावजूद अपने ही निरीक्षण में विशेषज्ञों की कमेटी बनाने की बात हो। क्यादमनकारी कानूनों के अंधाधुंध इस्तेमाल के लिए लोकतंत्र में कोई जगह हो सकती है? क्या पत्रकार अगर वस्तुनिष्ठ ढंग से ख़बरें देने के कर्तव्य पर अडिग रहें तो क्या उन्हें इसी के चलते देशद्रोह की धाराएं झेलनी पड़ेंगी? या पीड़ितों की कानूनी सहायता के लिए और उनके साथ हुई ज्यादतियों का पता करने के लिए सक्रिय वकीलों पर भी ऐसे ही कानूनों की धाराएं लगा देनी चाहिए? मुल्क की आला अदालत- जिसने पिछले कुछ वक्त से अपने फैसलों या अपने अवलोकनों से हुक्मरानों की बेचैनी बढ़ा दी है- को अब इस अहम मसले पर भी अपने रूख को स्पष्ट करना है कि आखिर ऐसे कानूनों की उपयोगिता क्या है, जो नागरिक स्वतंत्रता की समूची अवधारणा को ही बेमानी साबित कर देते हैं, अभिव्यक्ति की आज़ादी के संविधान के वादे को ही सिर के बल खड़ा कर देते हों! इस मामले में दक्षिणपूर्व का राज्य त्रिपुरा फिलवक्त सुर्खियों में है। ख़बर के मुताबिक वहां पिछले दिनों सौ से अधिक सोशल मीडिया खातों को केन्द्रित करते हुए एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें एफआईआर में गैरकानूनी गतिविधियां /निवारण/अधिनियम की धारा 13 /यूएपीए/ तथा दंड संहिता की धारा 153 ए / विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाना/, धारा 153 बी, 469, धारा 503 / आपराधिक आतंक/, धारा 504 /शांतिभंग के इरादे से सचेतन अपमान/, 120 बी / अपराधिक षडयंत्र/ आदि शामिल की गई है। पुलिस के मुताबिक इन सोशल मीडिया खातों ने जो बातें प्रकाशित की, उससे आपसी तनाव बढ़ा।

मालूम हो कि त्रिपुरा- जहां फिलवक्त भाजपा का शासन है और जो पिछले माह समुदायकेन्द्रित हिंसा का स्थान बना, जहां बंगलादेश में दुर्गापूजा के अवसर पर इस्लामिस्टों द्वारा अल्पसंख्यक /हिन्दू/ समुदायों पर हुए हमलों की प्रतिक्रियास्वरूप हिंसा भड़की और जिसमें कथित तौर पर प्रार्थनास्थल भी हमले की जद में आए। मालूम हो कि सूबे में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बारे में त्रिपुरा उच्च न्यायालय ने भी दखल दिया और राज्य सरकार से रिपोर्ट मंगाई और उसके प्रतिनिधि को अदालत के सामन हाजिर होने के लिए कहा। अभी ज्यादा दिन नहीं बीता कि त्रिपुरा पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय के वकीलों एक दल पर - जो विभिन्न नागरिक अधिकार संगठनों से ताल्लुक रखते थे और राज्य में हुई %समुदायकेन्द्रित हिंसा% की पड़ताल करने तथा पीड़ितों को किस तरह की कानूनी सहायता प्रदान की जा सकती है, इसकी संभावना तलाशने दिल्ली से राज्य में पहुंचे थे और वहां एकत्रित तथ्यों के आधार पर एक रिपोर्ट भी जारी की थी। गौरतलब था कि उनकी रिपोर्ट न केवल पीड़ितों की चर्चा करती है बल्कि कई स्थानों पर स्थानीय पुलिस की सकारात्मक भूमिका की भी मिसालें देती हैं जिन्होंने आपसी विवाद को अधिक बढ़ने नहीं दिया था। वकीलों के इस दल पर भी गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम /यू ए पी ए/ के तहत मुकदमे दर्ज हुए हैं। जाहिर है वकीलों, पत्रकारों आदि पर हुई इस कार्रवाई ने प्रबुद्ध एवं इन्साफ पसंद समाज में निश्चित ही चिंता की लकीरें पैदा की हैं। यह घटना जम्मू और कश्मीर पुलिस की उस कार्रवाई के चंद रोज बाद सामने आई है जहां श्रीनगर के दो मेडिकल कॉलेजों के अज्ञात छात्रों पर यूएपीए के तहत मुकदमे दर्ज किए गए जिन्होंने भारत पाकिस्तान की टी-20 क्रिकेट मैच में %पाकिस्तान के लिए नारे% लगाए थे। त्रिपुरा पुलिस ने भी इसी तरह सख्त आतंकवाद विरोधी कानून की व्याख्या अधिक व्यापक रूप में की है और उसके बीच में निहित फर्कों को भी धुंधला किया है, जैसा कि फैक्ट फाइंडिग रिपार्ट तैयार करने वालों के मामले में दिखता है। आखिर किसी राज्यविशेष में समुदायकेन्द्रित हिंसा के मामले में सरकार की कथित कमियों की बात करना और न्यायिक जांच की मांग को रेखांकित करना - ऐसी कार्रवाई जो किसी भी स्वस्थ्य लोकतंत्र के तहत नागरिक समाज की सक्रियताओं का हिस्सा मानी जाती है, जिसके जरिए लोकतंत्र के कर्णधारों पर दबाव डाला जाता है - वह किस तरह गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम की धारा-13 के तहत अपराध में शुमार होगा, जो उस कार्रवाई पर लागू होता है जो अलगाव को बढ़ावा देती है या भारत की संप्रभुता को चोट पहुंचाती है या भारत के खिलाफ असन्तोष पैदा करती है।

संपादकीय

हंगामा है क्यों बरपा

जाने-माने कमीडियन और ऐक्टर वीर दास ने वॉशिंग्टन के केनेडी सेंटर में हुए अपने कार्यक्रम की एक विडियो क्लिप सोमवार को अपलोड करके एक नए विवाद को जन्म दे दिया। विडियो हालांकि देखते-देखते वायरल हो गया, लेकिन %आई कम फ्रॉम टू इंडियाज...% के जरिए इसमें कही गई बातें पीछे छूट गईं। बहस इस पर शुरू हो गई कि उन्हें विदेशी धरती पर ऐसी बातें कहनी चाहिए या नहीं। दिल्ली में एक बीजेपी नेता ने फटाफट पुलिस में शिकायत भी दर्ज करा दी। वीर दास के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वालों में बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत भी शामिल हैं। उन्होंने इन्स्टाग्राम पर एक पोस्ट में वीर दास को अपराधी और उनके कृत्य को सॉफ्ट टेररिज्म करार देते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

दिलचस्प बात है कि खुद कंगना अपने ताजा बयानों के कारण घिरी हुई हैं। उनका पद्मश्री सम्मान वापस लेने और उन्हें तत्काल गिरफ्तार करने की मांग कई पार्टियों ने की है। महाराष्ट्र कांग्रेस ने कहा है कि वह उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी। हालांकि इसमें संदेह नहीं कि कंगना ने जिस तरह से 1947 में देश को मिली आजादी को %भीख% करार देते हुए हजारों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों का अपमान किया, उसका किसी भी रूप में समर्थन नहीं किया जा सकता।

यह भी सच है कि एक बार ऐसा कहकर वह चुप नहीं हुईं, पिछले बयान को सही साबित करने की कोशिश में ऐसी बातें दोहराईं , जिन्हें कोई भी समझदार व्यक्ति बेतुका ही मानेगा। लेकिन बेतुकी बातें करना अपराध नहीं है। न ही सजा देकर किसी को समझदार बनाया जा सकता है। ठीक ऐसे ही वीर दास की बातें किसी को अच्छी तो किसी को बुरी लग सकती हैं। कुछ लोग उन बातों से सहमत होते हुए भी यह राय रख सकते हैं कि वे विदेशी धरती पर नहीं कही जानी चाहिए थीं। मगर ये अलग-अलग राय वीर दास के कार्य को अपराध नहीं बना देतीं। आजकल देश में यह नया ट्रेंड ही चल गया है कि कोई भी किसी भी बात पर उठकर अपनी भावनाएं आहत होने की बात करने लगता है और इस क्रम में पुलिस और प्रशासन को शामिल कर लेता है। सरकारों और राजनीतिक दलों का रवैया भी इस ट्रेंड को किसी भी रूप में हतोत्साहित करने वाला नहीं लगता। इससे न केवल सरकारी तंत्र की सीमित ऊर्जा निरर्थक कार्यों में जाया होती है और उसकी कई जरूरी जिम्मेदारियां अनदेखी रह जाती हैं बल्कि विचार अभिव्यक्ति की संवैधानिक स्वतंत्रता पर बेवजह बंदिशें लगती हैं और समाज की रचनात्मकता प्रभावित होती है। जहां तक कानून-व्यवस्था से जुड़े पहलू का सवाल है तो यह बात अदालतों के फैसलों से भी बार-बार रेखांकित होती रही है कि किसी के भी, कैसे भी बयान मात्र को देशद्रोह नहीं माना जा सकता। सभ्य और लोकतांत्रिक आचरण का तकाजा है कि जब तक स्पष्ट रूप से किसी कानून का उल्लंघन न हो रहा हो, तब तक ऐसे मामलों में सहमति या असहमति जताना काफी माना जाए।

हैदरपोरा मुठभेड़ पर उठते सवाल

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को वापस लिए दो साल से अधिक का वक्त गुजर गया। राज्य दो हिस्सों में बंट गया, उसके विशेषाधिकार छीन लिए गए। आम लोगों को महीनों तक कर्फ्यू जैसे हालात में, इंटरनेट की सुविधा के बिना रहना पड़ा। अखबारों की स्वतंत्रता पर अघोषित पाबंदी लगी, कई बड़े नेताओं को नजरबंद किया गया। लोकतंत्र में आपातकाल जैसे ये हालात कश्मीर की बेहतरी के नाम पर कायम किए गए। मोदी सरकार का दावा था कि अब जम्मू-कश्मीर में विकास की नयी धारा बहेगी। लेकिन सरकार ने जो भी वादे किए थे, जितने भी दावे किए थे, उनमें से कोई फिलहाल पूरा होते नहीं दिख रहा। आतंकवाद तो आम लोगों के जीवन में तबाही ला ही रहा है, अब सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। श्रीनगर का हैदरपोरा कांड इस बात का ताजा उदाहरण है।

बीते सोमवार को पुलिस ने शाम के क़रीब छह बजे एक ट्वीट में बताया था कि श्रीनगर के हैदरपोरा में मुठभेड़ शुरू हो गई है, पुलिस और सुरक्षाकर्मी जुटे हैं। इसके बाद कुछ-कुछ अंतराल पर पुलिस के कुछ और ट्वीट्स आए, जिनमें शुरु के दो ट्वीट में दो अज्ञात चरमपंथियों के मारे जाने की खबर दी गई और उसके बाद देर रात एक ट्वीट में बताया गया कि मकान का मालिक जो चरमपंथियों की गोली लगने से ज़ख्मी हुआ था, उसकी मौत हो गई है। चरमपंथी मकान की ऊपरी मंज़िल पर छुपे हैं। सूचना के मुताबिक़ ये व्यक्ति चरमपंथियों का साथी था।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ जैसी खबरें अब इतनी आम हो गई हैं कि अब इन पर कोई चिंता, कोई संवेदना शेष भारत में अमूमन देखने नहीं मिलती है। मानो गोली से इंसान नहीं काठ के पुतलों को उड़ाया जा रहा हो। लेकिन इस मुठभेड़ पर सवाल उठे, जिनके जवाब सरकार को देने चाहिए। पहला सवाल तो यही है कि जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाके में जब आतंकवादियों से मुठभेड़ हो रही हो, तब ट्वीट कर ये बताने की हड़बड़ी क्यों है कि चरमपंथी मारे जा रहे हैं। जब पुलिस खुद मारे गए लोगों की शिनाख्त नहीं कर पा रही और उन्हें अज्ञात कह रही है, तो क्या ये बेहतर नहीं होता कि पहले अपने अभियान को खत्म किया जाता, फिर पूरी पड़ताल कर एक औपचारिक सूचना मीडिया तक पहुंचाई जाती।

दूसरा सवाल इस मुठभेड़ के इरादे पर ही उठ रहा है, क्योंकि जो चश्मदीद हैं, उनके विवरण और पुलिस के बताए ब्योरे में फर्क दिख रहा है। इस मुठभेड़ के एक चश्मदीद का कहना है कि क़रीब पांच बजे दो गाड़ियों में पुलिस और सेना के लोग साधारण लिबास ड्रेस में आ गए और हम सब लोगों (क़रीब तीस लोग) के मोबाइल फ़ोन छीने गए और पचास मीटर दूर एक मोटरसाइकिल शोरूम में रखा गया। हमारे मोबाइल फ़ोन कई घंटों के बाद वापस किए गए। अल्ताफ़ को दोबारा बिल्डिंग में ले जाया गया। इस बार अल्ताफ़ के साथ मुदासिर को भी ले जाया गया और बीस मिनटों के बाद हमने गोलियों की आवाज़ सुनी। उसके बाद वह वापस नहीं आए।

गौरतलब है कि जिस मकान में मुठभेड़ हुई अल्ताफ अहमद डार उसका मालिक था और डा. मुदासिर गुल यहां किराएदार थे, जो अपना व्यवसाय करते थे। कश्मीर के इंस्पेक्टर जनरल विजय कुमार ने भी मंगलवार को श्रीनगर में एक प्रेस सम्मेलन में बताया, हम लोगों को पूरी लोकेशन की जानकारी नहीं थी। मकान मालिक और किरायेदार को बुलाया गया। मकान मालिक का नाम अल्ताफ़ अहमद डार है और जो वहां से बिज़नेस करते थे उसका नाम मुदासिर गुल है। दोनों ने दरवाज़े को खटखटाया लेकिन चरमपंथियों ने दरवाज़ा नहीं खोला।

चरमपंथियों ने दरवाज़ा खोलकर अंधाधुंध फ़ायरिंग शुरू की। आत्मरक्षा में हमारी सर्च पार्टी ने भी फ़ायरिंग की और एनकाउंटर शुरू हो गया। पुलिस के मुताबिक चरमपंथियों की गोली लगने से दोनों घायल हो गए और मारे गए। सवाल ये है कि जब अल्ताफ और मुदासिर दोनों को पुलिस ने मकान का दरवाजा खोलने के लिए इस्तेमाल किया तो फिर उन्हें किस तरह आतंकवादी कहा जा सकता है। इस घटना में 24 वर्ष के आमिर मगरे की भी मौत हुई जो डॉ. मुदासिर गुल के पास एक हेल्पर के रूप में काम करते थे।

आमिर मगरे के पिता अब्दुल लतीफ़ मगरे ने बताया कि 2005 में चरमपंथियों ने उन के घर पर हमला किया था, जिसमें उनके भाई की मौत हो गई थी और वो खुद घायल हो गए थे। तब उन्होंने अपने बचाव में पत्थर मारकर एक चरमपंथी की हत्या भी की थी। इस के लिए उन्हें सेना से प्रशस्ति पत्र भी मिला है। अब उन्हीं के बेटे को चरमपंथी बताया जा रहा है। अब्दुल लतीफ मगरे का कहना है कि वो पूरी उम्र हिंदुस्तानी रहे हैं और सेना के साथ मिलकर चरमपंथियों के खिलाफ़ काम किया है। अगर उनका बेटा चरमपंथी साबित होता है, तो उनके पूरे परिवार को मार डाला जाए। अब्दुल लतीफ मगरे जैसे लोगों के सवालों के जवाब मोदी सरकार क्या कभी दे पाएगी। सरकार अब भी बड़े दावे करने में ही लगी है। आज ही उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक कार्यक्रम में कहा है कि दो साल बाद जम्मू-कश्मीर में आपको आतंकवाद देखने को नहीं मिलेगा, इस दिशा में भारत सरकार काम कर रही है। पता नहीं किस तरह का काम भारत सरकार कर रही है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद तो खत्म नहीं हो रहा, बल्कि आम नागरिकों को भी बेदर्दी से कुचला जा रहा है। हैदरपोरा मामले में जम्मू-कश्मीर के तमाम राजनैतिक दलों ने आवाज उठाई तो अब एडीएम रैंक के एक अधिकारी से न्यायिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं। लेकिन क्या इस जांच से न्याय मिलेगा, क्या लोगों का भरोसा सुरक्षा बलों पर रहेगा, क्या आतंकवाद कभी खत्म होगा।

आरबीआई सोने का सबसे बड़ा खरीदार बन गया

सरकार ने अनिवार्य हॉलमार्किंग की शुरुआत की है, जिसे उद्योग आसानी से अपना रहा है। इससे अंततः पारदर्शिता में सुधार होने और उपभोक्ताओं को उनके द्वारा खरीदे जाने वाले सोने की शुद्धता में अधिक विश्वास मिलने की उम्मीद है। एक और महत्वपूर्ण विकास डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ है, जो आगे चलकर सोने के निवेशकों के लिए चैनल खोल रहा है।

एक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने के प्रदर्शन में दिलचस्प रुझान उभर रहे हैं क्योंकि भारत कोविड महामारी के प्रभाव से उबर रहा है। हालांकि कुछ बुनियादी फॉल्ट लाइनों में गिरावट जारी है, मांग में एक स्पष्ट पिक-अप है, जैसे कि बेलवेदर ऑटोमोबाइल उद्योग, बिक्री के मामले में महत्वपूर्ण संख्या में मांग में वृद्धि के साथ।

भारतीय रिजर्व बैंक 2021 की तीसरी तिमाही में सभी केंद्रीय बैंकों में सोने का सबसे बड़ा खरीदार था। इस अवधि के दौरान भारत का स्वर्ण भंडार 41 टन बढ़कर 745 टन हो गया। यह आरबीआई द्वारा खरीद की गति में मामूली वृद्धि का भी प्रतीक है। वास्तव में, सामान्य तौर पर केंद्रीय बैंक की मांग इस साल सोने के बाजार का मुख्य आकर्षण रही है। भारत की सोने की खरीद ने अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा अधिग्रहण में मंदी को रोकने में मदद की है। और यह प्रवृत्ति आने वाली तिमाहियों में जारी रहने के लिए तैयार है। अनुमानों के अनुसार, 2021 में 2009 के बाद से भारत के आधिकारिक सोने के भंडार में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि देखी जा सकती है।

इसी तरह की प्रवृत्ति बार और सिक्कों के मामले में घरेलू निवेश की मांग में देखी गई है। तीसरी तिमाही में बार और सिक्का निवेश साल दर साल 27 प्रतिशत बढ़कर 43 टन हो गया, जो कि मांग में कमी और सोने की कीमत में गिरावट थी। आभूषण उपभोक्ताओं के साथ गठबंधन करते हुए, बार और सिक्का निवेशकों ने अपनी होल्डिंग को जोड़कर कीमतों में तेज गिरावट और कम औसत तिमाही कीमत का जवाब दिया।

लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील के रूप में पेंट-अप मांग जारी होने से मूल्य प्रभाव बढ़ गया था। हालांकि निवेशकों को इक्विटी बाजार की मजबूती से लुभाया गया था, लेकिन सेंसेक्स अब तक के उच्चतम स्तर को छू रहा है, वे उच्च मूल्यांकन के बीच संभावित सुधारों से सावधान हैं। इसने विविधीकरण उद्देश्यों के लिए सोने में निवेश को प्रोत्साहित किया।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, भारत में तीसरी तिमाही में ज्वैलरी की मांग तिमाही और सालाना दोनों आधार पर करीब 60 फीसदी बढ़ी है। कोविड की दूसरी लहर से निपटने के लिए दूसरी तिमाही में बहुत अधिक समय तक बंद रहने के बाद, तीसरी तिमाही में गहनों की मांग में तेजी से उछाल आया। टीकाकरण कार्यक्रम में तेजी और मॉनसून के मौसम के मजबूत अंत ने उपभोक्ता भावना को और बढ़ावा दिया।

अवसर से संबंधित उपहार खरीद में जोरदार वापसी हुई और सितंबर के अंत में दो सप्ताह की अशुभ श्राद्ध अवधि से पहले मांग में तेजी आई। चौथी तिमाही की शादी और त्योहारी सीजन के दौरान मजबूत मांग का अनुमान लगाते हुए खुदरा विक्रेताओं ने अपनी इन्वेंट्री तैयार की, इस रिपोर्ट के बीच कि तिमाही वास्तव में तेज शुरुआत के लिए बंद हो गई है। मौसम, जिसमें शुभ विवाह के दिनों की संख्या अधिक होती है, शेष वर्ष के लिए आभूषणों की मांग के लिए अच्छा संकेत देता है, खासकर क्योंकि अच्छे मानसून से ग्रामीण आय का समर्थन करने की उम्मीद है। एकमात्र सवाल कोविद और लॉकडाउन की आगे की लहरों की संभावना है, जो अब तक काफी कम हो गए हैं।

सोने के आभूषणों की मांग में एक दिलचस्प प्रवृत्ति और एक नया क्षेत्रीय बदलाव रहा है। क्षेत्रीय स्तर पर, उत्तरी भारत ने दक्षिण को पीछे छोड़ दिया क्योंकि कुछ दक्षिणी राज्यों, विशेष रूप से केरल, उच्च कोविद मामलों और स्टोर संचालन समय पर प्रतिबंधों से प्रभावित थे। लेकिन आने वाले हफ्तों में इसमें बदलाव की उम्मीद है क्योंकि प्रभावित राज्यों में स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है।

सरकार ने अनिवार्य हॉलमार्किंग की शुरुआत की है, जिसे उद्योग आसानी से अपना रहा है। इससे अंततः पारदर्शिता में सुधार होने और उपभोक्ताओं को उनके द्वारा खरीदे जाने वाले सोने की शुद्धता में अधिक विश्वास मिलने की उम्मीद है। एक और महत्वपूर्ण विकास डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ है, जो आगे चलकर सोने के निवेशकों के लिए चैनल खोल रहा है। टाइटन, कल्याण और सेनको गोल्ड जैसे खुदरा विक्रेताओं द्वारा डिजिटल गोल्ड प्लेटफॉर्म का शुभारंभ निवेशकों को कम से कम 100 रुपये में सोने में व्यवस्थित निवेश करने का एक सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है। एक अन्य उल्लेखनीय उद्योग विकास घरेलू स्पॉट गोल्ड एक्सचेंज और अंतरराष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज से संबंधित नीतिगत सुधारों की निरंतरता है। तीसरी तिमाही के दौरान, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने घरेलू स्पॉट एक्सचेंज के लिए रूपरेखा को मंजूरी दी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण ने 1 अक्टूबर 2021 को इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज लॉन्च किया। ये एक्सचेंज, बुलियन बैंकिंग को सशक्त बनाने और भारत को एक प्रमुख बुलियन ट्रेडिंग हब के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से भी सफल कार्यान्वयन में मदद कर सकते हैं। स्वर्ण मुद्रीकरण योजना और स्वर्ण-समर्थित उत्पादों का विकास।

कविता
जब-जब सत्ता भटक गई तो कविता राह दिखाती है,
मद में सिंघासन के जो फिर,उनको सबक सिखाती है।
ये सदियों से निरंकुश
सत्ता से जा टकराती है,
सुप्त पड़े जनमानस में
नवयौवन ये भर जाती है
वतन घिरा जब भी संकट में
मौन उसे स्वीकार नहीं,
हृदयहीन तब रचना जिसने
उगल सका अंगार नहीं,
शहर,गांव के चौक-चौराहे,
शासन के गलियारों तक,
व्यापारी की भरी तिजोरी,
बेबस जन हत्यारों तक,
जहाँ शस्त्र नतमस्तक कविता वहाँ भी बिगुल बजाती है,
मद में सिंघासन के जो फिर,उनको सबक सिखाती है।
शब्दों की माला कविता,
जिसमें जन की आवाज भरी,
किसी में प्रेम की अविरल धारा,
किसी में चीख-पुकार भरी,
प्रेमसुधा बरसाने वाले शब्द,
अनल बन जाते हैं,
मेहंदी लगी हथेली में भी,
चन्द्रहास सज जाते हैं,
जन का जब भी दर्द ना समझा,
सिंघासन का मतवाला,
जब भी चीख-पुकार सुनी ना,
जन-जन का जो रखवाला,
तब-तब अहंकार,ताकत को कविता धूल मिलाती है,
मद में सिंघासन के जो फिर,उनको सबक सिखाती है।

बदलते मौसम में सर्दी-खांसी और जुकाम से ना हो परेशान, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

इससे गले को राहत प्राप्त होती है तथा खांसी से भी आराम प्राप्त होता है। यह भी बहुत पुराना नुस्खा है।

खांसी-जुकाम प्रत्येक परिवर्तित होते मौसम के साथ आने वाली परेशानी भी लाते है। खांसी बैक्टीरियल अथवा वायरल इन्फेक्शन, ऐलर्जी, साइनस इन्फेक्शन या ठंड की वजह से हो सकती है मगर हमारे देश में हर परेशानी के लिए लोग चिकित्सकों के पास नहीं जाते। हमारी ही किचन में कई ऐसे घरेलु नुस्खे होते हैं जिनसे खांसी-जुकाम जैसी छोटे-मोटे रोग ठीक हो जाते हैं। तो आइए हम आपको बताते हैं खांसी-जुकाम के घरेलू नुस्खे...

शहद, नींबू तथा इलायची का मिश्रण

आधा चम्मच शहद में एक चुटकी इलायची पाउडर तथा कुछ बूंद नींबू के रस की बूंदे डालिए। इस सिरप का दिन में 2 बार सेवन करें। आपको खांसी-जुकाम से बहुत राहत प्राप्त होगी।

गर्म पानी

जितना हो सके गर्म पानी पिएं। आपके गले में जमा कफ खुलेगा तथा आप अच्छा महसूस करेंगे।

गर्म पानी और नमक से गरारे

गर्म पानी में चुटकी भर नमक मिला कर गरारे करने से खांसी-जुकाम के चलते बहुत राहत प्राप्त होती है। इससे गले को राहत प्राप्त होती है तथा खांसी से भी आराम प्राप्त होता है। यह भी बहुत पुराना नुस्खा है।

शहद और ब्रैंडी

ब्रैंडी तो पहले ही शरीर गर्म करने के लिए जानी जाती है। इसके साथ शहद मिलाने से जुकाम पर बहुत प्रभाव होगा।

मसाले वाली चाय

अपनी चाय में अदरक, तुलसी, काली मिर्च मिला कर चाय का सेवन कीजिए। इन तीनों तत्वों के सेवन से खांसी-जुकाम में बहुत राहत प्राप्त होती है।

हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी से छुटकारा दिलाएगा लहसुन

लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ने के लिए जाता है,

इसके इस्तेमाल से किसी भी सब्जी का स्वाद दोगुना हो जाता है, पर क्या आपको पता है की लहसुन हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है, ये एक नेचुरल औषधि के रूप में काम करता है जिसके सेवन से कई बिमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है. आज हम आपको लहसुन के कुछ ऐसे घरेलु नुस्खों के बारे में बताने जा रहे है जिनके इस्तेमाल से आप कई बिमारीयो से छुटकारा पा सकते है.

» नियमित रूप से सुबह खाली पेट लहसुन के साथ शहद का सेवन करने से शारीरिक क्षमता बढ़ती है.

» अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर समस्या है तो रोज़ाना लहसुन की दो कलियों का सेवन सुबह खाली पेट में करे. ऐसा करने से आपका ब्लड प्रेशर हमेशा कंट्रोल में रहेगा.

» बहुत से लोगो को स्किन में फंगल इंफेक्शन की समस्या हो जाती है, ऐसे में नियमित रूप से सुबह खाली पेट में लहसुन का सेवन करे, लहसुन में भरपूर मात्रा में एंटी बैक्टीरियल गुण होते है जिसके कारण इसके सेवन से फंगल इन्फेक्शन से छुटकारा मिलता है.

» जिन लोगों को कोलोस्ट्रोल की समस्या है उनके लिए भी सुबह खाली पेट में लहसुन का सेवन बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है, नियमित रूप से सुबह खाली पेट में लहसुन की दो कलियों का सेवन करने से कोलोस्ट्रोल हमेशा कण्ट्रोल में रहता है.

कोलेस्ट्रोल को कण्ट्रोल में रखती है लाल प्याज

कोलेस्ट्रॉल का काम हमारे बॉडी सेल्स को स्वस्थ रखने का काम करता है, पर अगर बॉडी में कोलोस्ट्रोल का लेवल बढ़ जाये तो बॉडी को सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आज के समय में गलत जीवनशैली और गलत खान पान के कारण बहुत से हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या का सामना कर रहे है, इसके अलावा मोटापा, धुम्रपान, शराब का सेवन, उम्र बढ़ना, जेनेटिक्स, ब्लड सर्कुलेशन ठीक से न होना, मधुमेह, किडनी और लिवर का खराब होना आदि चीजे भी हाई कोलोस्ट्रोल का कारण हो सकती है। अपनी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को कण्ट्रोल में रखने के लिए दवाओं का सेवन करते है जिससे उनकी बॉडी में बहुत से साइड इफ़ेक्ट हो सकते है, इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलु नुस्खों के बारे में बताने जा रहे है जिससे आपकी बॉडी में कोलोस्ट्रोल का लेवल हमेशा कण्ट्रोल में रहगी।

1- धनिया के बीज बॉडी में कोलेस्ट्रॉल की समस्या को कम करने में मदद करते है, धनिया के बीज बेड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के लेवल को कम करने में सहायक होते है। बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को कण्ट्रोल में रखने के लिए एक बर्तन में पानी लेकर गैस पर रखे जब ये पानी उबलने लगे तो इसमें 2 चम्मच धनिया के बीज डाल दे, जब ये पानी अच्छे से उबल जाये तो इसे आंच से उतारकर छान ले, जब ये पानी ठंडा हो जाये तो इसका सेवन करे, नियमित रूप से धनिये का पानी पीने से आपकी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल का लेवल हमेशा कण्ट्रोल में रहेगा।

2- लाल प्याज के सेवन से भी हाई कोलेस्ट्रॉल की समयसा से भी छुटकारा पाया जा सकता है, इसके लिए 1 चम्मच प्याज के रस में शहद मिलाकर सेवन करे, आप चाहे तो प्याज को बारीक काटकर छाछ में डालकर कर भी पी सकते हैं। इससे भी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल का लेवल हमेशा कण्ट्रोल में रहता है।

3- सेहत के लिए सेब के सिरके का सेवन बहुत फायदेमंद होता है, नियमित रूप से सुबह खाली पेट में एक गिलास हल्के गर्म पानी में एक चम्मच सेब के सिरके को डालकर पिए।

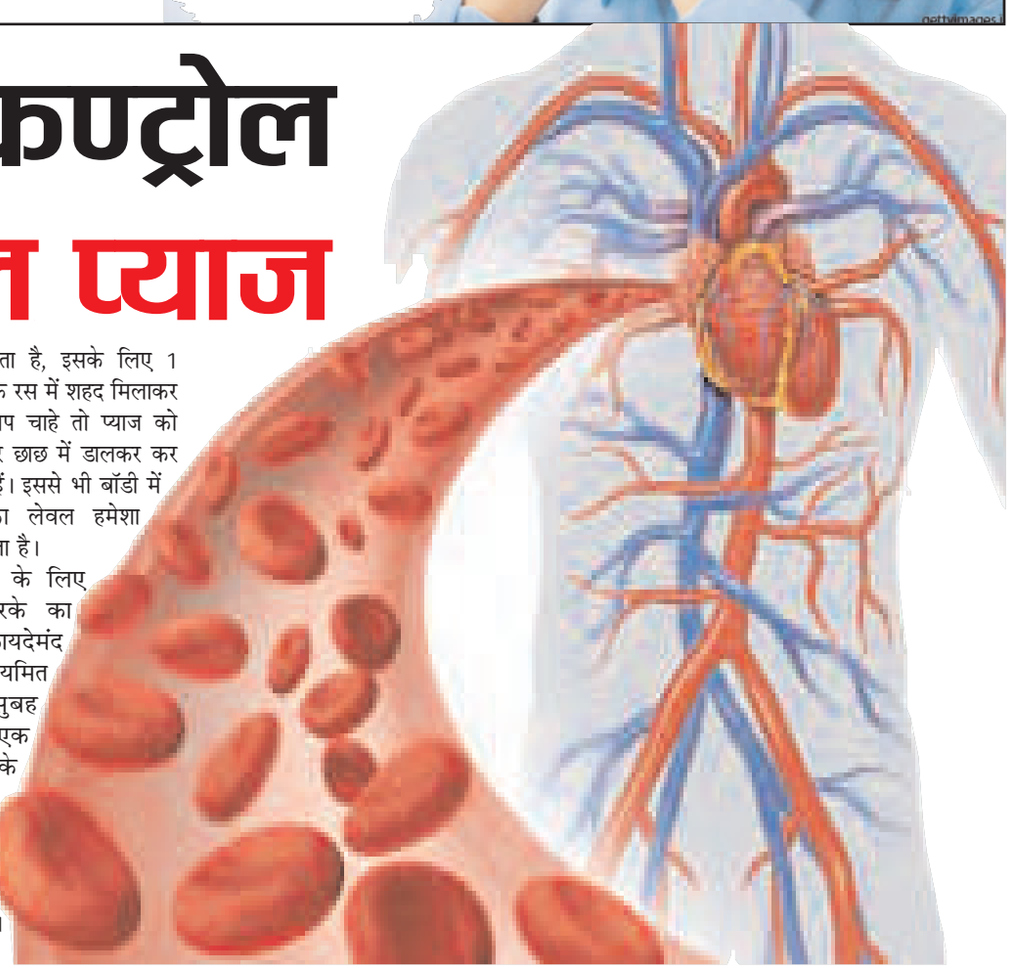

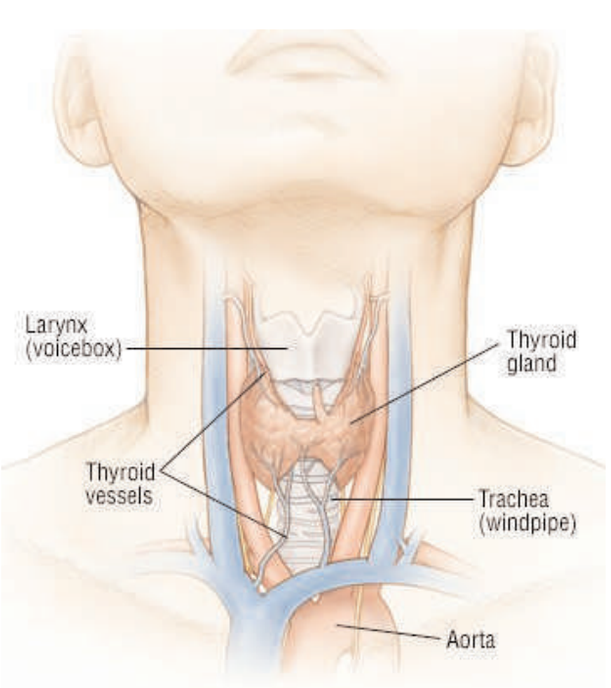

इन तरीकों से दूर होगी थायराइड की समस्या

आजकल ज्यादातर लोग थायराइड की बीमारी से परेशान रहते हैं। थायराइड ग्रंथि थायरोक्सिन नामक हार्मोन से बनती है। थायराइड साइलेंट किलर होता है। इसके लक्षण बहुत देर से नजर आते हैं। ज्यादातर लोग थायराइड की बीमारी का इलाज करने के लिए महंगी महंगी दवाइयों का सेवन करते हैं। जिसमें उनके बहुत सारे पैसे खर्च हो जाते हैं, और सेहत को बहुत सारे साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से आप थायराइड की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

■ अदरक हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अदरक में भरपूर मात्रा में पोटेशियम, मैग्नीशियम मौजूद होते हैं जो थायराइड की समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। अदरक में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण थायराइड को बढ़ने से रोकते हैं और उसकी कार्यप्रणाली में सुधार लाते हैं।

■ थायराइड की बीमारी में दूध और दही का सेवन फायदेमंद होता है। दूध दही में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं जो थायराइड की समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं।

■ थायराइड के मरीजों को बहुत जल्दी थकान महसूस होने लगती है। इसलिए थायराइड के मरीजों के लिए मुलेठी का सेवन करना लाभदायक होता है। मुलेठी में भरपूर मात्रा में कुछ ऐसे गुण मौजूद होते हैं जो थायराइड ग्रंथि को कंट्रोल करते हैं। मुलेठी का सेवन करने से शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है। मुलेठी थायराइड में कैंसर की समस्या

घरेलू नुस्खे से दूर भगाएं पसीने की बदबू

ज्यादातर लोगों को पसीना आने की समस्या होती है ।वैसे तो यह एक आम समस्या है पर कुछ लोगों के पसीने से बहुत ज्यादा गंदी स्मेल आती है। कभी-कभी पसीने की बदबू के कारण लोगों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। लोग पसीने की बदबू से छुटकारा पाने के लिए परफ्यूम और डियोड्रेंट का इस्तेमाल करते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से आप पसीने की बदबू से छुटकारा पा सकते हैं।

1- पसीने की बदबू से छुटकारा पाने के लिए आलू के एक टुकड़े को अपने अंडर आर्म्स पर रगड़ें। लगातार कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपके पसीने से आने वाली बदबू दूर हो जाएगी।

2- फिटकरी और पुदीने के इस्तेमाल से भी पसीने की बदबू दूर हो जाती है। इसके लिए नहाने के पानी में फिटकरी और पुदीने की पत्तियां डाल दें। अब आधे घंटे बाद इस पानी से नहाए। कुछ दिनों तक लगातार इस पानी से नहाने से आपकी पसीने की बदबू दूर हो जाएगी।

3- अपने नहाने के पानी में इत्र और गुलाब जल मिलाकर नहाए। इत्र और गुलाब जल मिलाकर नहाने से आपके शरीर में ताजगी और ठंडक बनी रहेगी। जिससे आपके शरीर से पसीने की बदबू नहीं आएगी।

4- बर्फ का इस्तेमाल करने से पसीना कम आता है। घर से बाहर निकलने से पहले अंडर आर्म्स पर बर्फ लगाएं। ऐसा करने से आपको पसीना नहीं आएगा।

टमाटर के सेवन से मिलेगा जोड़ो के दर्द से मिलेगी राहत

कभी कभी हमारे खान पान का प्रभाव भी जोड़ो के दर्द को प्रभावित करता है। यही कारण है की जोड़ो के दर्द की समस्या में आपको कुछ फूड्स खाने से डॉक्टेर द्वारा मना कर दिया जाता है, ताकि आप जल्द ही सही हो सके। आइये जानते हैं की जोड़ों के दर्द में कौन कौन से फूड्स हमें नहीं खाने चाहिए।

1-जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की प्रॉब्लम रहती हैं उनको कभी भी आर्टिफिशियल शुगर का प्रयोग नहीं करना चाहिए, इससे उनके वजन में बढ़ोत्तरी नहीं होती है और उनको इस समस्या से छुटकारा मिलने में आसानी होती है ।असल में इनमें उच्च मात्रा में प्रोटीन होती है जो की आपके मांसपेशियों में सूजन और दर्द का कारण बन सकता है और साथ ही आपका वजन भी बढ़ा सकता है इसलिए आप इस प्रकार से उत्पादों का प्रयोग न करें।

2-टमाटर में यूरिक एसिड की उच्च मात्रा होती हैं, जो की जोड़ो के दर्द के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इससे आपका जोड़ो का दर्द बढ़ जाता है तथा आपके पैरो में सूजन आ सकती है इसलिए इसके सेवन से बचें।

3-कुछ खास प्रकार के वेजिटेबल ऑयल जैसे कॉर्न ऑयल,सूरजमुखी ऑयल या सोयाबीन ऑयल आदि में वसा की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जिससे शरीर का वजन बढ़ जाता है और आपके पैरो पर अधिक जोर पड़ता है इसलिए इस प्रकार के ऑयल्स से खाना बनाने से बचना चाहिए।

कृषि कानूनों की वापसी पर वर्ल्ड मीडिया:न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा-

पीएम आखिर नरम पड़े, पाकिस्तानी अखबारों ने कहा- मोदी सरकार झुक गई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

नरेंद्र मोदी सरकार ने तीनों कृषि कानूनों को वापस ले लिया है। भारत में तो इसकी चर्चा होना लाजिमी था, लेकिन वर्ल्ड मीडिया भी लगातार इस पर नजर रखे हुए है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और पाकिस्तान की वेबसाइट्स और अखबारों ने इसे होम पेज पर जगह दी है। लब्बोलुआब निकालें तो हर खबर का सार यही है कि नरेंद्र मोदी सरकार को किसानों की मांगों के आगे झुकना पड़ा, सरकार हारी और किसान जीते। यहां जानते हैं कि वर्ल्ड मीडिया किसान आंदोलन और इन तीन कानूनों की वापसी पर क्या कह रहा है।

नरम पड़ गए मोदी

भारत में जैसे से ही मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश में कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया। इसके चंद मिनट बाद 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के वेबसाइट पर यह खबर फ्लैश हो गई। NYT ने लिखा- करीब एक साल तक चले किसान आंदोलन के सामने प्रधानमंत्री मोदी को आखिर रुख बदलना पड़ा। सरकार ने सॉफ्ट अप्रोच अपनाने का फैसला किया और विवादित कृषि कानून वापस ले लिए गए। अच्छी बात यह है कि आंदोलन कर रहे किसानों ने भी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। आंदोलन कर रहे किसानों में सिखों की तादाद काफी ज्यादा थी। शायद यही वजह है कि मोदी ने प्रकाश पर्व पर इस फैसले का ऐलान किया।

CNN ने कहा- सियासी मजबूरी

CNN ने मोदी के भाषण को हूबहू पब्लिश किया। इसमें बताया कि सरकार ने इस फैसले का ऐलान एक अहम दिन किया। किसान नेता दीपका लांबा के हवाले से लिखा- यह किसानों की बहुत बड़ी जीत है। हम ये मानते हैं कि मोदी सरकार ने यह फैसला सियासी मजबूरियों के चलते लिया है। वेबसाइट ने लिखा- भारत कृषि प्रधान देश है और कोई भी सरकार किसानों को नाराज करने का जोखिम नहीं ले सकती। अगले साल तक सात राज्यों में चुनाव होने हैं। मोदी को अगर सत्ता में रहना है तो इन चुनावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ये भी सच है कि इन सात में से छह राज्यों में अभी भाजपा सत्ता में है।

किसानों की बात नहीं सुनी

ब्रिटिश अखबार the Guardian ने लिखा- 2020 में जब यह कृषि कानून लाए गए थे तो लगा था कि सरकार कृषि का पूरा ढांचा बदलना चाहती है। देश की 60 फीसदी आबादी एग्रीकल्चर सेक्टर पर डिपेंड है। लिहाजा, इस कदम पर हर किसी की नजरें थीं। हुआ भी वही, सरकार का यह कदम किसानों को नागवार गुजरा। उनका तर्क बिल्कुल वाजिब था। वो ये कह रहे थे कि जिन किसानों के लिए सरकार ने कानून बनाए, उनसे ही बातचीत क्यों नहीं की गई। इससे तो उनकी रोजी-रोटी और जिंदगी ही खतरे में पड़ गई।

मोदी ने फिर चौंकाया

कनाडा के अखबार theglobeandmail ने लिखा- प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर चौंका दिया। उनकी एक बात पर गौर करना चाहिए। मोदी ने कहा- अब हमें नई शुरुआत करनी चाहिए। प्रकाश पर्व पर मोदी के इस ऐलान के कई मायने निकाले जा सकते हैं। इसके राजनीतिक कारण भी अहम हैं। पिछले साल सितंबर में इन कानूनों को पास किया गया था। तब से इनका विरोध हो रहा था और सरकार की परेशानियां बढ़ती जा रहीं थीं। thestar.com ने भी करीब-करीब यही नजरिया रखा।

सरकार पीछे हट गई

पाकिस्तान के सबसे बड़े अखबार और वेबसाइट dawn.com ने एजेंसी इनपुट के साथ अपनी वेबसाइट पर यह खबर चलाई। हैडिंग में ही लिखा- कृषि कानूनों पर मोदी को कदम पीछे खींचने पड़े। geo.tv टीवी और tribune.com.pk जैसी अहम वेबसाइट्स की खबरों का सार भी करीब-करीब यही रहा।

बांग्लादेश में शिक्षा का मेगा प्लान

10 साल तक के आधे से ज्यादा स्कूली बच्चे लिखा हुआ पढ़ नहीं पाते, अब बदला जा रहा है पूरा ढांचा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पड़ोसी देश बांग्लादेश में शिक्षा का मेगा प्लान बनाया गया है। सरकार ने इसे पूरा करने के लिए 2025 तक का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका कारण है कि वहां 10 साल तक के आधे से ज्यादा स्कूली बच्चे लिखा हुआ ठीक से पढ़ नहीं पाते हैं। 15 से 24 साल तक की आयु वर्ग के किशोर और युवाओं में से एक तिहाई पढ़ते नहीं है। कोरोना काल में हाल और खराब हुए। बांग्लादेश के बच्चों के सामने बड़ा सवाल है कि वे पढ़ाई करें या अपने परिवार को सहारा देने के लए रोजगार से जुड़ें। भारत और पाकिस्तान से उलट बांग्लादेश में लड़कों से ज्यादा संख्या में लड़कियां हाईस्कूल में पढ़ रही हैं। पार्टिसिपेशन रिसर्च सेंटर के जियाउर रहमान के अनुसार बांग्लादेश में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करना आसान काम नहीं था। बांग्लादेश में बच्चे पहले रटकर परीक्षाएं पास करते थे। तीसरी कक्षा तक परीक्षाएं खत्म कर दी हैं। तीसरी से दसवीं तक भी वार्षिक परीक्षा नहीं पूरे वर्ष के नंबरों को जोड़ा जाता है। बांग्लादेश के उप शिक्षा मंत्री हसन चौधरी का कहना है कि बच्चों को शिक्षा के साथ रोजगार को जोड़ने के लिए वोकेशनल कोर्सेज भी शुरू किए गए हैं।

बांग्लादेश की बढ़ती आर्थिक वृद्धि दर पिछले एक दशक के दौरान 6 फीसदी रही:- बांग्लादेश अपने मानव संसाधन के कारण पिछले एक दशक के दौरान सालाना आर्थिक वृद्धि दर को 6 फीसदी रखने में सफल रहा है। कोरोना काल से पूर्व यहां की आर्थिक वृद्धि दर 8 फीसदी थी। इसका बड़ा कारण शिक्षा के क्षेत्र में आया सुधार है। बांग्लादेश में शिक्षा पर जीडीपी का 2.1 फीसदी ही खर्च हो रहा है। वैसे आज लगभग 80 फीसदी बच्चे प्राइमरी तक की पढ़ाई को पूरा करते हैं। पिछले 40 साल पहले बांग्लादेश में केवल एक तिहाई बच्चे ही प्राइमरी तक की पढ़ाई पूरी कर पाते थे।

नई दिल्ली में सुबह घने कोहरे के बीच सड़क पर वाहन दौड़ते रहे।

कश्मीरी नाबालिगों को फुसला रहा पाकिस्तान : एलओसी क्रॉस करने से पहले 3 नाबालिग पकड़े गए, पाकिस्तान में बैठे आतंकी कमांडर के संपर्क में थे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जम्मू

कश्मीर के कुपवाड़ा में पुलिस ने एलओसी क्रॉस करने की कोशिश कर रहे 3 नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक, ये तीनों पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बैठे आतंकी कमांडर के संपर्क में थे। स्स्कयुगल मन्हास ने बताया कि एक खास सूचना के बाद पुलिस ने तीनों को कुपवाड़ा के एक ठिकाने से पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के रहने वाले तीनों लड़कों से एक आतंकवादी कमांडर ने संपर्क किया था। वह खुद को पाकिस्तान में एक्टिव तैयब फारूकी बताता था। ये तीनों उससे मिलने और ट्रेनिंग लेने के लिए कुपवाड़ा के रास्ते नियंत्रण रेखा पार करने जा रहे थे। वहां इन्हें ट्रेनिंग के साथ हथियार देकर वापस कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए भेजा जाना था।

तीनों को परिवार को सौंपा:- पूछताछ में पुलिस को पता चला कि दक्षिण कश्मीर के इन युवाओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कट्टरपंथ की ओर प्रेरित किया गया है। इसी वजह से वे हिंसा के रास्ते में जाने को तैयार हो गए। इन लड़कों के हालात और कम उम्र को देखते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उन्हें एक मौका देने का फैसला लिया है।

न्यूज ब्रीफ

लद्दाख सीमा विवाद : डेढ़ साल में भारत और चीन के अधिकारी 23वीं बार एक साथ बैठे

नई दिल्ली। लद्दाख सीमा विवाद को लेकर भारत और चीन के अफसर गुरुवार को एक बार फिर एक टेबल पर थे। डेढ़ साल से चल रहे टेंशन को लेकर दोनों देशों के बॉर्डर अफेयर्स की यह 23वीं मीटिंग थी। हालांकि आज की मीटिंग में भी कुछ खास डेवलपमेंट नहीं हुआ। विदेश मंत्रालय ने बताया कि मीटिंग में दोनों पक्षों ने सरहद पर किसी भी अप्रिय घटना से बचने और शांति बनाए रखने पर सहमति जताई। दोनों पक्ष द्विपक्षीय समझौतों और प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करते हुए पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ शेष मुद्दों का शीघ्र समाधान ढूंढने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी के साथ स्थिति पर स्पष्ट और गहन चर्चा की। दोनों देश वरिष्ठ कमांडरों की बैठक के अगले (14वें) दौर को जल्द से जल्द आयोजित करने पर भी सहमत हुए। इससे पहले पिछले महीने 10 अक्टूबर को दोनों पक्षों के बीच कमांडर स्तर की बातचीत हुई थी। पिछली बैठक के बाद के घटनाक्रम की भी समीक्षा की गई।

दोनों देशों ने सीमा पर बढ़ाई तैनाती:- बातचीत के बीच भारत-चीन ने अपने सीमाई इलाकों में सेना और हथियारों की तैनाती बढ़ा दी है। इसके साथ ही बॉर्डर इलाकों में दोनों देश तेजी से अपना इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा रहे हैं। जनरल रावत ने पिछले दिनों कहा कि परमाणु हथियार संपन?न दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने में विश?वास की कमी और संदेह आड़े आ रहा है। पिछले महीने भारत और चीन के मिलिट्री कमांडर्स के बीच 13वें राउंड की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई थी। दोनों पक्षों के बीच सीमा से पीछे हटने के मसले पर सहमति नहीं बन पाई है। इस कारण पिछले साल सीमा की सुरक्षा के लिए भेजे गए हजारों सैनिक अब बेस पर लंबे समय तक वापस नहीं लौटेंगे।

मिर्जापुर में %कार्तिक पूर्णिमा% के अवसर पर विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा करने के लिए भक्त कतारों में प्रतीक्षा करते हैं।

नई रिपोर्ट में खुलासा : जिम्बाब्वे में फेरी लगाकर बदले जा रहे फटे-पुराने डॉलर

लोगों का बैंकों पर भरोसा नहीं, गद्दों के नीचे रखते हैं नोट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज हरारे

जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे की गलियों में इन दिनों लाउडस्पीकर पर फटे-पुराने अमेरिकी डॉलर बदले जा रहे हैं। फेरी लगाने वाले कमाई भी कर रहे हैं। 20 डॉलर के नोट के बदले 15 से 18 डॉलर तक दिए जाते हैं। यहां तक कि जिम्बाब्वे की सरकार भी इन डॉलरों की अदला-बदली को परोक्ष रूप से बढ़ावा दे रही है। दरअसल जिम्बाब्वे की मुद्रा का बहुत ज्यादा अवमूल्यन हो चुका है। महंगाई दर 54 फीसदी तक पहुंच चुकी है। वैसे पिछले साल तक मंहगाई दर लगभग 700 फीसदी के आंकड़े तक पहुंच चुकी थी। लोगों को छोटी-छोटी चीजें खरीदने के लिए भी बहुत ज्यादा जिम्बाब्वे डॉलर खर्चने पड़ रहे थे। सरकार की हालत ये थी कि अर्थव्यवस्था की गिरती स्थिति के कारण वो और अधिक नोट नहीं छाप सकती। ऐसे में अमेरिकी डॉलर की खासी मांग है। फटे-पुराने अमेरिकी डॉलर नोटों को भी बदलने का तरीका अपनाया है। डॉलर बदलने वाले कैटानो कसानी का कहना है कि अमेरिकी डॉलर का सीरियल नंबर और कुछ और फीचर सलामत होने चाहिए, वो बदल देता है। जिम्बाब्वे के लोगों को अपने देश के बैंकों पर भरोसा नहीं है। वे लोग नोटों को बैंकों में जमा कराने की बजाए गद्दों के नीचे रखते हैं।

कोरोना काल का साइड इफेक्ट

लॉकडाउन में फेन्टेनिल का अंधाधुंध इस्तेमाल अमेरिका में पेनकिलर के ओवरडोज से 1 लाख मौतें

पिछले साल से 30 फीसदी ज्यादा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

लॉकडाउन के दौरान कोरोना से बचने के लिए अमेरिकियों ने पेनकिलर का अंधाधुंध इस्तेमाल किया। इसके कारण मई 2020 से अप्रैल 2021 के दौरान पेनकिलर ओवरडोज के कारण एक लाख अमेरिकियों की मौत हो गई। अमेरिकी एजेंसी सीडीसी की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल की तुलना में ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों में 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। जबकि पिछले पांच वर्षों के दौरान ये आंकड़ा दोगुना हो चुका है। ड्रग ओवरडोज का ये आंकड़ा अमेरिका में कोरोना काल के साइड इफेक्ट के रूप में सामने आया है। कोरोना से अमेरिका में अब तक पौने आठ लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मई 2020 से अप्रैल 2021 की अवधि के दौरान लगभग पांच लाख की मौतें हुईं। सीडीसी के अनुसार एक लाख में से सबसे ज्यादा 64 हजार मौतें सिन्थेटिक पेनकिलर फेन्टेनिल से हुई हैं। फेन्टेनिल मॉरफिन से लगभग 100 गुना ज्यादा तेज होती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रग अब्यूज की डॉ. नोरा वोलकॉव के अनुसार महामारी के दौरान लोगों ने पेनकिलर का बहुत अधिक मात्रा में इस्तेमाल किया है।

मृतकों में 70 फीसदी की उम्र 25 से 54 साल के बीच

ड्रग एडनिस्ट्रेटर एनी मिलग्रेम के अनुसार ड्रग ओवरडोज राष्ट्रीय आपदा के समान है। एजेंसियों ने इतनी फेन्टेनिल पकड़ी है जिसे खाने से 33 करोड़ लोगों की मौत हो जाती। ऑनलाइन और सोशल मीडिया पर फर्जी प्रिस्क्रिपशन से दवाओं की ब्रिकी होती है। पिछले दो महीने के दौरान डीईए ने 800 को गिरफ्तार कर 18 लाख फेन्टेनिल जब्त कीं।

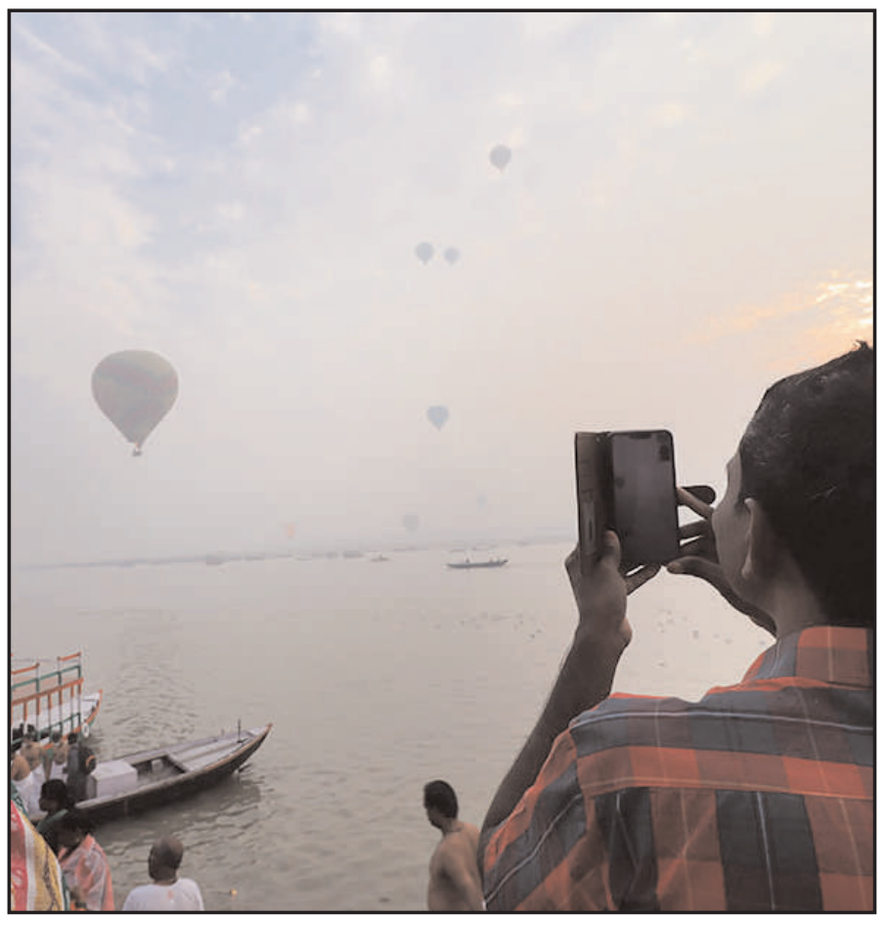

वाराणसी में गंगा नदी के ऊपर उड़ते हुए गर्म हवा के गुब्बारों की तस्वीरें लेते दर्शक।

न्यूज ब्रीफ

ज्वेरेव, जोकोविच और मेदवेदेव एटीपी फाइनल्स सेमीफाइनल में पहुंचे

तूरिन। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच, दूसरे नंबर के दानिल मेदवेदेव के बाद तीसरी रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में ज्वेरेव ने हुबर्ट हुरकाज को 6.2, 6.4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। अब उनका सामना जोकोविच से होगा जो दूसरे ग्रुप में शीर्ष पर रहे। वहीं मेदवेदेव का सामना आंद्रे रूबलेव और कास्पर रूड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। ज्वेरेव इस साल ऑस्ट्रेलिया ओपन और अमरीकी ओपन में जोकोविच से हार चुके हैं लेकिन टोक्यो ओलंपिक में उन्हें हराया और बाद में स्वर्ण पदक जीता। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में जानिक सिनेर को 6.0, 6.7, 7.8 से हराया। ज्वेरेव की जीत के बाद हालांकि यह मैच औपचारिकता मात्र था।

दुनिया भर से दबाव के बावजूद लापता टैनिस स्टार पर चीन खामोश

ताइपे। चीन की एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी का कथित ईमेल चीनी मीडिया द्वारा ट्विटर पर डाले जाने के बाद दुनिया भर में खिलाड़ियों और अन्य ने उसकी कुशलक्षेम और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। अभी तक दुनिया भर से उठ रहे सवालों का जवाब नहीं मिला है। चीनी अधिकारियों ने सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। दो सप्ताह पहले ग्रैंडस्लैम युगल चैम्पियन फेंग शुआइ ने आरोप लगाया था कि एक पूर्व शीर्ष सरकारी अधिकारी ने उनका यौन शोषण किया है।
चीन के इस पहले 'मी टू' मामले को घरेलू मीडिया में जगह नहीं मिली है और इस पर आनलाइन बहस भी सेंसर कर दी गई है। महिला टेनिस संघ के सीईओ और अध्यक्ष स्टीव साइमन ने उन्हें भेजे गई ईमेल की वैधता पर सवाल उठाये हैं। इसमें फेंग ने कहा है कि वह सुरक्षित है और उत्पीडऩ के आरोप गलत हैं। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी की अंतरराष्ट्रीय ईकाई सीजीटीएन ने गुरूवार को यह ईमेल पोस्ट किया।
साइमन ने कहा है कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह ईमेल शुआइ ने लिखा है और उन्होंने मामले की पूरी जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि उचित जवाब नहीं मिलने पर चीन से टूर्नामेंटों की मेजबानी छीनी जा सकती है। नाओमी ओसाका और नोवाक जोकोविच ने भी इस मामले पर ट्वीट किया है। ऑनलाइन 'वेयर इज फेंग शुआइ' ट्रेंड कर रहा है।

एशेज से पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में तहलका : महिला को अश्लील फोटो भेजने के कारण कप्तान टिम पेन का इस्तीफा, कैमरे के सामने निकले आंसू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज सिडनी

एशेज सीरीज शुरू होने में 19 दिन ही बचे हैं। उससे पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान टिम पेन ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। पेन ने इस बात की जानकारी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी है। इस दौरान उनके आंखों से आंसू भी छलक गए। उन्होंने कहा, उन्होंने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया मेन्स क्रिकेट टीम के कप्तान के पद से इस्तीफा देता हूं। यह बहुत कठिन फैसला है, लेकिन मेरे परिवार और क्रिकेट के लिए सही है। बोर्ड ने पेन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और अब एक नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेन ने 2017 में एक लड़की को अपनी अश्लील तस्वीरें और मैसेज भेजे थे।

CA कर चुका है शुरुआती टेस्ट के लिए टीम की घोषणा

ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में शुरुआती दो एशेज टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम चुनी, जिसमें पेन भी शामिल हैं। अब इस विवाद में उनका नाम आने के बाद उनकी टीम में जगह को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता है। पेन के कप्तानी छोड़ने के बाद अब उप-कप्तान पैट कमिंस को टेस्ट कप्तान बनाया जा सकता है। कमिंस खुद दो दिन पहले कह चुके हैं कि अगर जरूरत पड़ी तो वे कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं।

CA का बयान

CA के अध्यक्ष रिचर्ड फ्रायडेनस्टीन ने कहा- टिम ने महसूस किया कि कप्तान के रूप में पद छोड़ने का यह निर्णय लेना उनके परिवार और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सर्वोत्तम हित में था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दे दी थी क्लीन चिट

टिम पेन 2017 में एक महिला को अश्लील मैसेज और फोटो भेजे थे। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया तंजानिया क्रिकेट ने जांच की थी। उस समय दोनों ने उन्हें क्लीन चिट दे दी थी और माना था कि पेन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता का किसी भी प्रकार से उल्लंघन नहीं किया है।

पेन ने माफी मांगी

पेन ने अपनी इस्तीफा की घोषणा देने के साथ कहा, चार साल पहले मैं एक सहयोगी को मैसेज भेजा था। उस समय इसकी जांच की गई थी। मैंने जांच में पूरा सहयोग दिया गया है। उस समय पाया गया कि मैंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता का कोई उल्लंघन नहीं किया है। हालांकि, मुझे उस समय भी अपनी गलती पर खेद था और आज भी है।अब उस निजी मैसेज को सार्वजनिक कर दिया गया है। मेरी पत्नी और मेरे परिवार ने उस समय मेरा पूरा साथ दिया। इसके लिए मैं उनका आभारी हूं।

ग्रीन पार्क टेस्ट में 75 फीसद रहेगी दर्शक क्षमता

कोविड प्रोटोकॉल का करना होगा पालन वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले जाने वाले टेस्ट मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह बना हुआ है। 25 नवंबर से शुरू हो रहे टेस्ट मैच में दर्शक क्षमता को लेकर लंबे समय से चली आ रही खींचतान गुरुवार को थम गई। शासन स्तर से स्टेडियम में 75 फीसद दर्शकों को मैच दिखाने की अनुमति मिली है। मैच देखने वाले दर्शक मास्क लगाकर प्रवेश करेंगे। दर्शक को पल्स आक्सीमीटर, इंफ्रारेड से तापमान और सैनिटाइजेशन के दौर से गुजरना होगा। सबसे बड़ी बात इस मैच के लिए जो किसी भी वैक्सीन सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दर्शकों की ग्रीन पार्क में 75 फीसदी क्षमता रहेगी...

शासन और बीसीसीआई की हुई बैठक के बाद मिली अनुमति के बाद स्टेडियम की कुल दर्शक क्षमता के आधार पर करीब 22500 हजार लोग मैच देख सकेंगे। उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के मुताबिक स्टेडियम की कुल दर्शक क्षमता लगभग 29989 हजार है। जिसमें सभी बालकनी व पवेलियन को शामिल किया गया है। अब इसी हिसाब से मैच की टिकट्स भी बेचीं जाएगी।

वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं पड़ेगी...

मिली जानकारी के अनुसार, बीसीसीआई ने जो गाइडलाइन तय की है उसके हिसाब से करीब 22500 टिकट्स की बिक्री की जाएगी। मैच देखने आने वालों दर्शकों को किसी भी प्रमाण पत्र दिखाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उसको वैक्सीन लगी हो या न लगी हो वो मैच देख सकते है।

बीसीसीआई गाइडलाइंस के हिसाब से होगी एंट्री...

शासन और बीसीसीआई के अधिकारियों के बीच हुई बैठक के हिसाब से स्टेडियम में एंट्री के लिए कोविड प्रोटोकॉल को फॉलो किया जाएगा। जैसे दर्शकों की एंट्री से पहले उनका तापमान इंफ्रारेड से मापा जाएगा साथ ही पल्स ऑक्सीमीटर से ऑक्सीजन लेवल को चेक किया जायेगा। दर्शकों को एंट्री के समय सैनिटाइजेशन बूथ से भी गुजरना पड़ेगा।

एक दौर का अंत

22 गज की पट्टी पर अब नहीं दिखेंगे एबी डिविलियर्स

क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को कहा अलविदा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले डिविलियर्स अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। डिविलियर्स ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की। 360 डिग्री ने कहा कि, अब उनके अंदर क्रिकेट को लेकर पहले जैसी ऊर्जा नहीं रह गई है और इसी कारण उन्होंने मैदान छोड़ने का फैसला किया है।

अब पहले जैसी ऊर्जा नहीं रही: - डिविलियर्स ने ट्वीट कर लिखा- यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, लेकिन मैंने सभी क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैंने अपने बैकयार्ड में बड़े भाइयों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया तब से ही मैंने पूरे आनंद और बेलगाम उत्साह के साथ इस खेल को खेला है। अब 37 साल की उम्र में वह लौ अब उतनी तेजी से नहीं जलती। डिविलियर्स ने टाइटेंस, साउथ अफ्रीका, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और विश्व की अन्य सभी टीमों को मौका देने के लिए धन्यवाद कहा है। उन्होंने कहा- क्रिकेट मेरे प्रति काफी दयालु रहा है। मैं अपने हर साथी खिलाड़ी, हर विपक्षी, हर कोच, हर फिजियो और हर स्टॉफ मेंबर को धन्यवाद कहना चाहूंगा। दक्षिण अफ्रीका, भारत या फिर जहां भी मैंने खेला है वहां मिले प्यार को लेकर भी मैं अभिभूत हूं।

भुवनेश्वर। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2021 के लिए अमेरिका और चिली की टीमें गुरुवार को भुवनेश्वर पहुंच गई। इससे पहले बुधवार रात को मलेशिया की टीम यहां पहुंची थी। अमरीकी टीम के मुख्य कोच पैट हैरिस ने एक बयान में कहा कि कैलिफोर्निया में हमारा कैंप था। लगभग 10 दिन का समय था, इसलिए हमने वहां एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। हम एक टीम के रूप में तैयारी कर रहे थे, इसलिए हम मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं।

शेफील्ड शील्ड पर कोरोना का साया

ऑल राउंडर विल सदरलैंड की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव; न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच मैच स्थगित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज सिडनी

सिडनी में न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच खेले जाने वाले शेफील्ड शील्ड मुकाबले को एक खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद स्थगित कर दिया गया है। टॉस से एक घंटे से कम समय पहले विक्टोरिया के ऑलराउंडर विल सदरलैंड की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

नियमित जांच में सदरलैंड की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि कोरोना की नियमित जांच में विल सदरलैंड की कोरोन रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। विक्टोरिया टीम क्वारैंटाइन हो गई है और मामले की जांच हो रही है। उसके बाद ही अगला कदम उठाया जागा।

बायो-बबल में हुए मैच:- पिछले दो मैच बायो-बबल में खेले गए, ताकि खिलाड़ियों को कोरोना संक्रमण से बचाया जा सके।

ऑस्ट्रेलिया में पेशेवर खेल में कोरोना का पहला मामला

ऑस्ट्रेलिया में पेशेवर खेल में कोरोना का पहला मामला है। यह ऐसे समय में सामने आया है जब देश में टीकाकरण हो चुका है।

सीजन के शुरुआत में क्वींसलैंड और तस्मानिया के मैच को भी किया गया था रद्द:- इससे पहले इस सीजन की शुरुआत में ब्रिस्बेन में क्वींसलैंड और तस्मानिया के बीच खेले जाने वाले शेफील्ड शील्ड मुकाबले को कोविड-19 संक्रमण के डर से स्थगित कर दिया गया था। मैच स्थगित करने का फैसला शुरू होने से कुछ मिनट पहले लिया गया था। स्थानीय क्वींसलैंड में चार कोरोना संक्रमित मामलों के आने के बाद तस्मानिया की टीम ने मैच खेलने से इनकार कर दिया था।

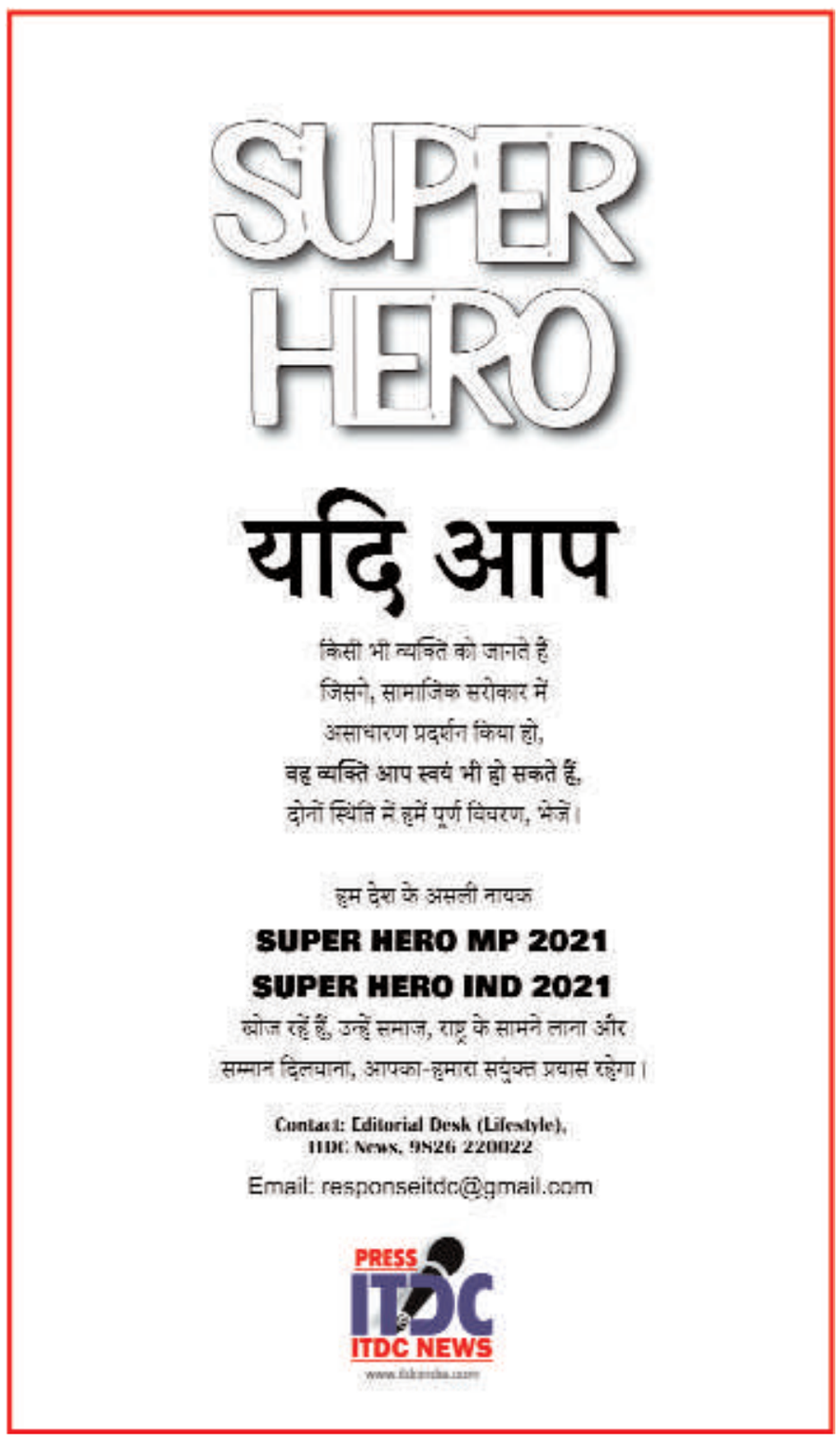

न्यूज ब्रीफ

उपभोक्ता कंपनियों का लाभ में हिस्सा घटा

मुंबई। जिसों की कीमतों में बेतहाशा तेजी और मांग में उम्मीद से कम सुधार से उपभोक्ता वस्तु कंपनियों के मुनाफे पर करारी चोट पड़ी है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वाहन, एफएमसीजी, उपभोक्ता वस्तु, परिधान एवं त्वरित सेवा प्रदान करने वाले रेस्तरां आदि खंड की कंपनियों के संयुक्त मुनाफे की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2022 की पहली छमाही में कम होकर 7.7 प्रतिशत रह गई है। यह एक दशक का सबसे निचला स्तर है। कोविड-19 महामारी से पहले वित्त वर्ष 2018 की दूसरी छमाही में यह आंकड़ा 15.4 प्रतिशत की ऊंचाई पर था। उपभोक्ता वस्तु कंपनियों का शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2022 की पहली छमाही में बढ़कर 31,569 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2021 की पहली छमाही में 21,000 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि इस अवधि के दौरान सभी क्षेत्र की कंपनियों की कमाई दोगुनी से भी अधिक होकर चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 4.09 लाख करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2021 की पहली छमाही में उनकी संयुक्त कमाई 2 लाख करोड़ रुपये रही थी। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2022 की पहली छमाही में सभी सूचीबद्ध कंपनियों की संयुक्त कमाई साल भर पहले के मुकाबले मात्र 2.5 प्रतिशत कम रही। हालांकि उपभोक्ता कंपनियों की कमाई वित्त वर्ष 2021 की दूसरी छमाही की तुलना में वित्त वर्ष 2022 की पहली छमाही में 26 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना में सभी कंपनियों की कुल कमाई में केवल 2.6 प्रतिशत कमी दर्ज हुई।

सबसे बड़े इश्यू की तैयारीः एलआईसी आईपीओ का बाजार पर बुरा असर हो सकता है

मार्केट से निकल सकती है ज्यादा रकम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एलआईसी के आईपीओ का बाजार पर बुरा असर दिख सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि इस आईपीओ में निवेश के लिए निवेशक अपने शेयर बेचकर भारी-भरकम रकम निकाल सकते हैं। इसकी वजह से बाजार पर दबाव दिख सकता है।

80 हजार से एक लाख करोड जुटाने की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक, इस संबंध में एलआईसी मर्चेंट बैंकर्स और अन्य संबंधित पक्षों से बात कर रही है। भारतीय जीवन बीमा निगम आईपीओ से 80 हजार से एक लाख करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। इसका इश्यू जनवरी से मार्च के दौरान आ सकता है। ऐसे में देश के इस सबसे बड़े इश्यू को खरीदने के लिए निवेशक बाजार से अपने मौजूदा शेयर्स को बेचकर रकम जुटाएंगे।

12 लाख एजेंट के साथ 1.15 लाख कर्मचारी हैं

पॉलिसी धारकों के लिए 10% हिस्सा रिजर्व है

IPO जनवरी से मार्च के दौरान आएगा

सीधा असर शेयर बाजार पर दिखेगा

एक सूत्र ने कहा कि जब बाजार से इतने बड़े पैमाने पर रकम निकाली जाएगी तो इसका सीधा असर शेयर बाजार पर दिखेगा। खासकर छोटे निवेशकों से लेकर बड़े निवेशक इसी तरह का काम कर सकते हैं। वैसे यह साल आईपीओ के लिहाज से सुपर हिट रहा है। यही कारण है कि विदेशी निवेशकों ने इस साल बाजार की जबरदस्त तेजी के बावजूद रकम निकाले हैं।

FII ने आईपीओ में 46 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया:- आंकड़े बताते हैं कि विदेशी निवेशकों ने इस साल आईपीओ में 46 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसमें सबसे ज्यादा निवेश जोमैटो में रहा। जोमैटो में 2,759 करोड़ रुपए का निवेश था। नायका में इन निवेशकों ने 1,570 करोड़ रुपए, पॉलिसीबाजार में 1,412 करोड़ रुपए, अप्टस वैल्यू में 1,127 करोड़ रुपए और केमप्लास्ट में 899 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसी तरह फिनो पेमेंट्स बैंक में 707 करोड़ रुपए, विजया डायग्नोस्टिक में 655 करोड़ रुपए, ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेस में 578 करोड़ रुपए, नुवोको विस्टा में 536 करोड़ और देवयानी इंटरनेशनल में 526 करोड़ रुपए का निवेश किए हैं।

अक्टूबर में 25,572 करोड़ रुपए निकाले:- इन निवेशकों के आंकड़ों को देखें तो इन्होंने भारतीय शेयर बाजार से अक्टूबर में 25,572 करोड़ रुपए, अगस्त में 2,568, जुलाई में 23,193 करोड़ और मई में 6 हजार करोड़ रुपए की निकासी की है। अप्रैल में 12 हजार करोड़ से ज्यादा की निकासी की थी। पिछले एक साल में बाजार में नए निवेशक 2 करोड़ से ज्यादा आए हैं। ये निवेशक लंबे समय तक निवेश नहीं करते हैं। इन निवेशकों का आइडिया कम समय में अच्छा पैसा बनाकर निकलने का है।

नए निवेशकों का असर

बाजार के जानकार कहते हैं कि ऐसे निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव पर बहुत असर डालते हैं। हो सकता है कि एलआईसी आईपीओ के लिए यह निवेशक भी अपने पैसे निकाल लें। हालांकि एलआईसी ऐसा ब्रांड है कि उसके लिए हर कोई पैसा लगाना चाहेगा। ऐसे में बाजार में भारी बिकवाली होगी और इससे बाजार पर बुरा दबाव बनेगा। ऐसी स्थिति में मार्केट अगर ज्यादा टूटा तो यह एक बड़ी चिंता पैदा कर सकता है।

इश्यू के लिए मर्चेंट बैंकर्स तयः- एलआईसी ने इश्यू के लिए मर्चेंट बैंकर्स तय कर लिए हैं और ये बैंकर्स विदेशी निवेशकों के साथ बात कर रहे हैं। एलआईसी के अधिकारी पहले ही विदेशी निवेशकों के साथ बात करने के लिए विदेश दौरा भी कर चुके हैं। एलआईसी और सरकार किसी भी हालात में यह नहीं चाहती है कि इस इश्यू में कोई दिक्कत आए। क्योंकि अगर यह इश्यू फेल हो गया तो फिर यह बहुत बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकता है। इसलिए पहले ही संस्थागत निवेशकों और विदेशी निवेशकों के साथ एलआईसी निवेश को लेकर बात पक्का कर लेना चाहती है।

ट्विटर फीचर अपडेट : इससे अब रेड और पिंक रिडिजाइन वार्निंग लेबल मिलेगा, गलत जानकारी की तुरंत होगी पहचान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ट्विटर ने गलत और भ्रामक कंटेट को रोकने के लिए एक वार्निंग लेबल शुरू किया है। यूजर्स को गलत और भ्रामक जानकारी पर वार्निंग वाला लेवल नजर आएगा। ट्विटर ने वार्निंग लेबल को ग्लोबली जारी कर दिया गया है। गलत जानकारी की पहचान के लिए ट्विटर ने ऑरेंज और रेड कलर को शामिल किया है। पहले लेवल का रंग ब्लू रखा गया था जो

ट्विटर के ही कलर से मिलता था इसलिए अब एकदम आगे बढ़ते हुए इसमें दोनों कलर रखे गए हैं।

सही कंटेंट देने में भी मदद करेगा

ट्विटर से 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति इलेक्शन में गलत जानकारी का प्रचार किया गया था। इसी को ध्यान में रखते हुए कंपनी इस पर बहुत समय से काम कर रही थी। एक्सपर्ट के मुताबिक लेबल यूजर्स को सही कंटेंट देने में भी मदद करेगा। इससे गलत जानकारी फोटो और वीडियो आसानी से हटाए भी जा सकेंगे।

कोरोना से जुड़े गलत आंकड़े और भ्रामक जानकारी का भी पता चलेगा: - ट्विटर केवल तीन तरह की गलत जानकारियों पर वार्निंग लेबल जारी करेगा। इसमें तोड़ मरोड़ कर पेश करने वाला कोई कंटेंट,किसी वीडियो-ऑडियो के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ जो गलत हो और इलेक्शन रिलेटेड गलत जानकारी शामिल होगी। साथ ही कोरोना से जुड़े गलत आंकड़े और भ्रामक जानकारियों को भी ट्विटर लेबल करेगा।

महिलाओं का पंजीकरण ई-श्रम पोर्टल पर ज्यादा

नई दिल्ली। सरकार के ई-श्रम पर पंजीकरण इस सप्ताह 8 करोड़ पार कर गया है। बहरहाल सरकार को अभी लंबी राह चलना बाकी है क्योंकि वह कुल कार्यबल के सिर्फ पांचवें हिस्से को अभी आकर्षित कर पाई है। इसके अलावा पंजीकरणों में 5 राज्यों की हिस्सेदारी तीन चौथाई है, जिसमें से सिर्फ पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी एक चौथाई है। इसमें महिलाओं के पंजीकरण की एक अहम धारणा उभरकर सामने आई है। महिला कार्यबल की हिस्सेदारी की दर भारत में बहुत कम है। वहीं संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समग्र भारत अध्ययन, 2020 के आंकड़ों के मुताबिक यह घटकर 24.8 प्रतिशत रह गई है। वहीं ई-श्रम पोर्टल पर महिलाओं का पंजीकरण पुरुषों की तुलना में ज्यादा है। बिजनेस स्टैंडर्ड के एक विश्लेषण से पता चलता है कि जिन राज्यों के कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी नगण्य है।

इश्यू प्राइस की तुलना में 27 फीसदी टूटकर बंद हुआ पेटीएम का स्टॉक, प्रति शेयर 586 रु. का घाटा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

डिजिटल मोबाइल पेमेंट प्लेटफॉर्म पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन के शेयरों की जमकर पिटाई हुई है। 2,150 रुपए के इश्यू प्राइस की तुलना में इसका शेयर पहले दिन 27 फीसदी टूट कर 1,564 रुपए पर बंद हुआ है। यानी निवेशकों को अईपीओ प्राइस की तुलना में 586 रुपए प्रति शेयर का घाटा हुआ है। सबसे बड़े इश्यू का सबसे खराब प्रदर्शन बाजार में रहा है।

मार्केट कैप 1.01 लाख करोड़ रुपए

पेटीएम का मार्केट कैप 1.01 लाख करोड़ रुपए रहा। अगर गुरुवार सुबह इसके लिस्टिंग के समय की बात करें तो उस समय इसका मार्केट कैप 1.27 लाख करोड़ रुपए तक चला गया था। उस हिसाब से इसका मार्केट कैप 26 हजार करोड़ रुपए घटा है। जबकि अगर यह अपने इश्यू प्राइस पर लिस्ट होता तो उस हिसाब से इसका मार्केट कैप 1.48 लाख करोड़ रुपए होता। उसकी तुलना में इसका

मार्केट कैप 47 हजार करोड़ रुपए कम है। नायका की तुलना में इसका मार्केट कैप केवल 2 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है।

9 फीसदी नीचे लिस्ट हुआ था शेयर

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर गुरुवार को यह शेयर 1,955 रुपए पर जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 1,950 रुपए पर लिस्ट हुआ। यानी अईपीओ में 2150 रुपए के भाव की तुलना में 9 फीसदी नीचे लिस्ट हुआ। कमजोर लिस्टिंग के बाद भी शेयर में तेज बिकवाली देखी गई। ब्रोकरेज हाउस मैक्वायरी ने कहा है कि पेटीएम के स्टॉक में यहां से 44 फीसदी की गिरावट आ सकती है। यह शेयर 1,200 रुपए तक जा सकता है। इसका मतलब यह हुआ की निवेशकों को आगे भी इसमें घाटा मिलने की संभावना है।

अब तक का सबसे बड़ा अईपीओ

पेटीएम का 18,300 करोड़ रुपए का इनिशियल पब्लिक ऑफर (अईपीओ) देश का अब तक का सबसे बड़ा अईपीओ है। कंपनी ने नए इक्विटी शेयर जारी करके 8,300 करोड़ रुपए जुटाए और मौजूदा शेयरधारकों और प्रमोटरों ने 10,000 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। पेटीएम का अईपीओ 1.89 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी को 4.83 करोड़ शेयरों के मुकाबले 9.14 करोड़ शेयरों की बोलियां मिली थीं। यह काफी हद तक क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के सपोर्ट के कारण हुआ। अईपीओ में QIB का कोटा 2.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं रिटेल निवेशकों का कोटा 1.66 गुना भरा था। नॉन इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा केवल 24 फीसदी ही भर पाया था।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

मोदी की चेतावनीःबोले- भगोड़े आर्थिक अपराधियों के लिए मैसेज बहुत ही स्पष्ट है... देश लौट आओ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भगोड़े आर्थिक अपराधियों को चेतावनी दी। पीएम ने बिल्ड सिनर्जी फॉर सीमलेस क्रेडिट फ्लो एंड इकोनॉमिक ग्रोथ पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार भगोड़े आर्थिक अपराधियों को भारत वापस लाने के लिए डिप्लोमेटिक समेत अन्य चैनलों का इस्तेमाल कर रही है। मैसेज बहुत ही स्पष्ट है, देश लौट आओ।

माल्या-नीरव की तरफ मोदी का इशारा

मोदी ने अपने संबोधन के दौरान किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे बड़े आर्थिक अपराधियों की ओर था।

माल्या 2016 से देश से बाहर

शराब कारोबारी विजय माल्या को सबसे पहले 2019 में मुंबई में स्पेशल प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट कोर्ट ने भगोड़ा अपराधी घोषित किया था। भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत ऐसा किया गया था। विजय माल्या ने 17 बैंकों

से करीब 9 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। 2 मार्च 2016 से विजय माल्या देश से फरार है।

डिफॉल्टर्स से लगभग 5 लाख करोड़ की रिकवरी

मोदी ने कहा कि सरकार ने डिफॉल्टर्स से लगभग 5 लाख करोड़ रुपए की रिकवरी की है।% वहीं बैंकों के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा, 2014 के पहले की जितनी भी परेशानियां थीं, चुनौतियां थीं, हमने एक-एक करके उनके समाधान के रास्ते तलाश किए हैं। हमने NPA की समस्या का हल निकाला, बैंकों को पूंजी उपलब?ध कराई और उनकी ताकत को बढ़ाया।

साक्ष्य बताते हैं कि फेसबुक ध्रुवीकरण का प्रमुख संचालक नहीं है : मोनिका

नई दिल्ली। मेटा (फेसबुक) द्वारा अपनेप्लेटफार्मों पर द्वेषपूर्ण भाषा और गलत सूचना रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने के संबंध में चल रहे विवाद के बीच मेटा की प्रमुख (वैश्विक नीति प्रबंधन) मोनिका बिकर्ट ने नेहा अलावधी को उस दिशा में भारत में कंपनी द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया और अन्य मसलों पर बात की।=

क्या व्हिसलब्लोअर की शिकायतों से उपयोगकर्ता संख्या और विज्ञापन के लिहाज से मेटा प्लेटफॉर्म की वृद्धि प्रभावित हुई है?:- अब करीब 3.6 अरब ऐसे लोग हैं, जो वैश्विक स्तर पर हमारी एक या अधिक सेवाओं को सक्रिय रूप से इस्तेमाल करते हैं और 20 करोड़ से अधिक ऐसे व्यवसाय हैं, जो ग्राहकों से जुडने के लिए हमारे टूल का इस्तेमाल करते हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।